

पीएम मोदी को खड़गे की चुनौती.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



क्या पलक-इब्राहिम का हुआ.. 11

वर्ष - 02, अंक - 214 | गाजियाबाद / गुरूवार 05 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए



अग्निवीरों को मोदी सरकार का दीवाली गिफ्ट!

● पचहत्तर फीसदी को मिलेगा 2 साल का एक्सटेंशन ● सीडीएस का ऐलान-सैलरी भी बढ़ेगी, नौकरी पक्की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार ने अग्निवीरों को बड़ा दीवाली गिफ्ट दिया है। केंद्र ने अग्निवीरों की सेवा अवधि बढ़ाने का ऐलान किया है। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि अग्निवीरों को दो साल का और इंगेजमेंट पीरियड मिलेगा। इसके बाद आर्म्ड फोर्सेज में भी एनरोलमेंट किया जाएगा। दो साल का पीरियड पूरा होने के बाद ऑब्जेक्टिव सेलेक्शन प्रक्रिया के जरिए उन्हें सेना में भर्ती का मौका मिलेगा। सरकार ने बुधवार को 'अग्निवीरों' को दो साल का सेवा विस्तार देने की घोषणा की। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब करीब 18,000 अग्निवीरों को कुछ सप्ताह बाद सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होना था। सीडीएस जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने कहा कि सभी अग्निवीरों को सशस्त्र बलों में अपनी सेवा जारी रखने का अवसर दिया जाएगा।



अग्निवीरों को मिलेगा सेवा विस्तार

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि आज का दिन भारतीय रक्षा बलों और हमारे अग्निवीरों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए भारतीय रक्षा बलों में शामिल होने का रास्ता खोल दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, अग्निपथ योजना 14 जून 2022 को शुरू की गई थी। उस समय यह बताया गया था कि अग्निवीरों के प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया जाएगा और समय-समय पर इस योजना की समीक्षा की जाएगी। सीडीएस ने कहा कि अग्निवीरों का पहला बैच अब अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने के करीब है। इन चार वर्षों में किए गए प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर, हमें उनके काम को लेकर बहुत सकारात्मक फीडबैक मिला है।

डिफेंस फोर्सेज में नियमित सेवा का भी मौका

सीडीएस ने कहा कि कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए रास्ता बनाया है ताकि वे डिफेंस फोर्स में अब्जॉर्बर हो जाएं। मेरिट के हिसाब से 25 पर्सेंट को रेगुलर सैनिक बनाया जाएगा। बाकी 75 पर्सेंट को 2 साल का इंगेजमेंट पीरियड का ऑफर दिया जाएगा। इस तरह से 75 फीसदी अग्निवीरों को 2 साल एक्सटेंशन-सैलरी भी बढ़ेगी, नौकरी पक्की करने का मौका होगा।

75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल का एक्सटेंशन

उन्होंने कहा कि पहले 75 फीसदी अग्निवीरों के लिए यह प्रावधान था कि वे अनुशासित और प्रेरित युवाओं के रूप में वापस समाज में लौट जाएंगे। हालांकि, इस अपडेट की गई योजना के तहत, बाकी बचे 75 फीसदी अग्निवीरों को अब दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सीईसी ज्ञानेश पर 20 साल पुराने आरोप की होगी जांच

● केरलम में 2 करोड़ रुपए रिश्वत मांगने का लगा था आरोप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच होगी। केरलम के गृहमंत्री मेश चेन्निथला ने विजिलेंस को जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला सड़क निर्माण प्रोजेक्ट से जुड़ा है। उस समय ज्ञानेश कुमार राज्य में पीडब्ल्यूडी सचिव थे। कोल्लम के ठेकेदार साजन का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद पेमेंट करने के बदले 2 करोड़ की रिश्वत मांगी थी। इस समय कांग्रेस की अगुवाई में पूरे देश में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एसआईआर में गड़बड़ी के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में केरलम में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ ने 140 में से 97 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। कांग्रेस ने यहां 10 साल बाद सत्ता में वापसी की है। साजन के मुताबिक, इंजीनियरों ने करीब 17 करोड़ के बिल मंजूर कर दिए थे, लेकिन ज्ञानेश कुमार ने चेक रोक दिए। इससे मलेशियाई कंपनी उसके ठेकेदारों और कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी हुई। कंपनी के प्रोजेक्ट इंजीनियर ली सी बीन ने उन्हें (साजन को) बताया था कि ज्ञानेश कुमार रिश्वत मांगे बिना भुगतान के चेक जारी नहीं कर रहे हैं।



लोकतंत्र में धरना और भूख हड़ताल की जगह नहीं

● हाईकोर्ट बोला-यूनिवर्सिटी राजनीति नहीं, पढ़ाई की जगह

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि धरना, भूख हड़ताल और सत्याग्रह जैसी गतिविधियों की संवैधानिक लोकतंत्र में जगह नहीं है। कोर्ट ने कहा- शिक्षण संस्थान पढ़ाई के लिए हैं, राजनीति के लिए नहीं। ऐसी गतिविधियों में शामिल छात्रों को संस्थान से निष्कासित किया जा सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी कालडी स्थित श्री शंकराचार्य संस्कृत



यूनिवर्सिटी के 16 निलंबित छात्रों के मामले में की। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल जज के उस अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें छात्रों को 4 नवंबर से शुरू होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं में बैठने की इजाजत दी गई थी। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद अब 16 छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े इन छात्रों ने परीक्षा में बैठने की इजाजत देने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे उनका पूरा सेमेस्टर बर्बाद हो सकता है। यूनिवर्सिटी में 13 अगस्त को सिंडिकेट की बैठक के दौरान लेफ्ट से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया था। वे कैंपस में बुनियादी सुविधाओं की कमी, पानी की समस्या और शिक्षकों के खाली पद भरने जैसी 18 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे।

होसबाले बोले-हमने पूरा किया आरएसएस का संकल्प

हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया: संघ

इंदौर में सरकार्यवाह ने कहा-आरक्षण को लेकर न हो राजनीति



इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक बुधवार को समाप्त हो गई। डेली कॉलेज में 2 नवंबर से चल रही इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन के बाद सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने आरक्षण, मंदिरों के मामलों, संगठन विस्तार, एसआईआर, संघ के पंजीयन और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संघ का पक्ष रखा। आरक्षण पर होसबाले ने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को जब तक समान अवसर नहीं मिलते, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। इसका लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। कृष्ण जन्मभूमि समेत अदालतों में चल रहे मंदिरों के मामलों पर उन्होंने कहा, 'हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया।

एक साल में 10,241 नए स्थानों तक पहुंचा संघ

होसबाले ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में संगठन का विस्तार हुआ है। एक साल में संघ की पहुंच 10,241 नए स्थानों तक बढ़ी है। अब देश के 63,208 स्थानों पर 99,423 शाखाएं संचालित हो रही हैं।

मोबाइल से दूर रखने के बजाय बच्चों को संस्कार दें

नए जनसंचार माध्यमों और मोबाइल के इस्तेमाल पर होसबाले ने कहा कि तकनीक को रोकना आसान नहीं है। बच्चों को इंटरनेट और मोबाइल से पूरी तरह दूर रखने के बजाय उन्हें सही संस्कार देना जरूरी है। स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संस्थाओं की इसमें अहम भूमिका है। माता-पिता को तय करना चाहिए कि बच्चों को किस उम्र में डिवाइस देना है और वे कितनी देर उसका इस्तेमाल करें। उन्होंने परिवारों से अपील की कि दिन में या सप्ताह में आधा से एक घंटा मोबाइल से दूर रहकर सभी सदस्य साथ बैठें और सकारात्मक विषयों पर बातचीत करें। मंदिर जाने वाले लोग बच्चों को भी साथ ले जाएं और उन्हें धार्मिक-सामाजिक परंपराओं का महत्व समझाएं।

बंगाल में 150 गुना बढ़ीं शाखाएं, केरल के हर गांव तक पहुंचने का दावा

संघ की शाखाओं के विस्तार पर होसबाले ने कहा कि पश्चिम बंगाल में शाखाओं की संख्या पहले की तुलना में 150 गुना बढ़ी है। पहले वहां शाखाएं लगाने का विरोध होता था। त्रिपुरा और असम में संघ के कई कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई, लेकिन संगठन का काम जारी रहा। मिजोरम में दो जगह और लद्दाख में भी शाखाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि केरल के सभी गांवों में संघ की शाखाएं हैं। होसबाले ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए संघ विशेष योजना बनाएगा।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव हारे राष्ट्रपति ट्रंप

● दोनों सदनों में करारी हार, डेमोक्रेट्स को बहुमत ● पहले मुस्लिम सीनेटर बनेंगे अब्दुल अल-सैयद ● चुनाव प्रचार में ट्रम्प ने उन्हें 'जिहादी' कहा था

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से जिहादी कहा था। 25 अक्टूबर को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था,मैं यहां एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आया हूं।



हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, सीनेट सब हारे

हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 231 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 144 सीटें जीती हैं। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं।

हार के बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद बाजार में यह अनिश्चितता बढ़ी है कि ट्रम्प ईरान युद्ध को लेकर आगे क्या फैसला लेंगे। इसी चिंता का असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, बुधवार सुबह ब्रेंट क्रूड की कीमत 76 सेंट यानी 0.7 फीसदी बढ़कर 104.36 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई।

राजस्थान में रेलवे ट्रैक पर जबरदस्त ब्लास्ट

45 मिनट पहले पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी, बाल-बाल बची



अनूपगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेलवे लाइन पर मंगलवार रात 9.45 बजे ब्लास्ट हो गया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ ट्रैक पर धमाके से पहले रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी। धमाके की आवाज 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। ब्लास्ट के कारण पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक पूरी तरह से टूट गए। पटरियों के बीच 2 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

दुनिया का छठा प्रोजेक्ट

नवी मुंबई में बन रही देश की पहली समुद्री रेल-टनल

● 7 किलोमीटर लंबी, 35 मंजिला इमारत जितनी गहराई में दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

सावली (एजेंसी)। नवी मुंबई के सावली में देश की पहली समुद्री रेल सुरंग बनाई जा रही है। इस सुरंग से देश की पहली बुलेट ट्रेन गुजरेगी। सुरंग बनाने का काम जमीन से 114 मीटर नीचे चल रहा है, यानी इतनी गहराई, जितनी 35 मंजिला ऊंची इमारत होती है। समुद्र के अंदर सुरंग बनाने का यह छठा प्रोजेक्ट है। दुनिया में सबसे ज्यादा 2 समुद्री सुरंगें जापान में हैं। इसके अलावा चीन, नॉर्वे में एक-एक समुद्री सुरंग है। ब्रिटेन और फ्रांस के बीच भी एक समुद्री सुरंग बनी है।



भारी गर्मी और घुटन के बीच करीब 1,200 मजदूर और इंजीनियर दिन-रात इस काम में जुटे हैं। सावली से शीलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर लंबी सुरंग पहले ही तैयार हो चुकी है। अब समुद्र के अंदर 7 किलोमीटर लंबी सुरंग खोदी जा रही है, जिसके लिए 3,000 टन भारी मशीन लगातार खुदाई कर रही है। आमतौर पर मेट्रो के आने-जाने के लिए दो अलग सुरंगे बनती हैं, लेकिन यहां एक ही चौड़ी सुरंग के अंदर से दोनों तरफ की बुलेट ट्रेनें एक साथ निकलेंगी।

पानी का दबाव और कंपन रोकना बड़ी चुनौती

विक्रोली से बीकेसी के बीच इमारतों, फ्लाईओवरों को कंपन से बचाने के लिए टीबीएम की गति 4 आरपीएम पर सेट है। जमीन पर रियल-टाइम सेटलमेंट सेंसर 24 घंटे हलचलों की निगरानी कर रहे हैं। पानी का दबाव : गीली मिट्टी और भारी जलदाब के कारण समुद्री सुरंग में पानी भरने का जोखिम है। इससे बचने स्लरी बेस्ड मिक्स शील्ड टीबीएम चल रही है, जो मिट्टी-पानी के गाढ़े घोल की मदद से खुदाई कर रही है। 13.6 मीटर व्यास वाली विशाल सुरंग एनएटीएम तकनीक से खोदते तो इसके ढहने की आशंका ज्यादा थी। इसलिए टीबीएम से खुदाई के साथ ही कंक्रीट रिंग सेगमेंट्स और वाटरप्रूफ सीलिंग लगा रहे हैं।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-कानून पर विचार की है जरूरत ● देश के 5 राज्यों में लागू है नियम, कई और में तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी।



मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करते हैं

बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देते हैं। इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। इससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन से जुड़े फैसले लेने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन होता है। मंगला भीमराव महाराष्ट्र की काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थीं।

7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म की

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील रुक्मिणी बोबडे को कोर्ट की मदद के लिए एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। कोर्ट ने उनसे और याचिकाकर्ता के वकील प्रतीक बोरंबडे से उन राज्यों की सूची मांगी थी, जहां दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने पर रोक है। रुक्मिणी बोबडे की ओर से दी गई सूची के मुताबिक, 7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म कर दी है, जबकि 15 राज्यों में ऐसी कोई नीति नहीं है। गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तराखंड में यह नियम अब भी लागू है। 2003 में जावेद बनाम हरियाणा राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 में दो बच्चों की शर्त को संवैधानिक रूप से सही ठहराया था। इस कानून के तहत दो से ज्यादा जीवित बच्चे होने पर कोई व्यक्ति स्थानीय निकाय का चुनाव नहीं लड़ सकता था। मौजूदा बेंच ने 4 अगस्त को इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा था।

राहुल गांधी ने पीएम को फिर दी बहस की चुनौती

बोले-मोदी देशद्रोही, ट्रम्प के कहने पर काम कर रहे

संगरूर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती दी है। मैंने उन्हें कहा है कि कहीं भी आकर मेरे साथ डिबेट कर लो, लेकिन वह मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते हैं। मैं गारंटी देता हूं कि 5 मिनट में उन्हें देशद्रोही साबित कर दूंगा। मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नियंत्रित कर रहे हैं। ये बात उन्होंने पंजाब के संगरूर में इंसाफ रैली के दौरान कही। संबोधन की शुरुआत में वह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को स्टेज पर लाए। राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है।



राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस की सरकार बनाइए

राहुल गांधी ने पंजाब के लोगों से कांग्रेस की सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब को पंजाब की सरकार दीजिए। कांग्रेस की सरकार दीजिए। ऐसी सरकार चुनिए जो नशे के खिलाफ लड़े, ड्रग्स खत्म करे, युवाओं को रोजगार दे, उद्योगों को बचाए और किसानों के साथ खड़ी रहे।

गिडिपाबली में भूस्खलन के बाद बचाव अभियान रोका, 10 लोग अब भी लापता

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कंधमाल जिले के भूस्खलन प्रभावित गिडिपाबली गांव में खराब मौसम और लगातार भूस्खलन के खतरे को देखकर बचाव अभियान को रोक दिया। हादसे में अब भी 10 लोग लापता हैं। प्रशासन के इस फैसले के बाद लापता लोगों के परिजनों ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करने की तैयारी शुरू कर दी है। कंधमाल के जिलाधिकारी वेदभूषण ने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार, लापता लोगों के शव करीब 30 फुट गहरे मलबे में दबे हो सकते हैं। घटनास्थल पर तीन बार भूस्खलन होने से हालात बेहद गंभीर हैं। मलबा हटाने के लिए विस्फोट करने पर फिर भूस्खलन होने और बचावकर्मियों की जान को खतरा होने की आशंका है। परिवारों की सहमति से फिलहाल अभियान रोकने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी के अनुसार, यदि अगले दो-तीन दिनों में मौसम साफ रहता है, तब अभियान बंद करने से पहले एक बार फिर तलाश की जाएगी। राज्य सरकार ने चक्रवात अर्नब के कारण हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को बचाव अभियान शुरू किया था। इसमें एनडीआरएफ, रेलवे की टीमों, आईआईटी विशेषज्ञों, श्वान दस्तों और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद ली गई।

खूंटी में शर्मनाक वारदात : तीन नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोप में तीन करीबी रिश्तेदार गिरफ्तार

खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला गंभीर मामला सामने आया है, जहां दो सगी बहनों सहित तीन नाबालिग लड़कियों के साथ उनके ही करीबी रिश्तेदारों द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म करने सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना दो नवंबर को खूंटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। पुलिस के मुताबिक, एक पीड़िता ने अपने एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए मुरहू में रहने वाली दोनों बहनों को आमंत्रित किया था। आरोप है कि पार्टी समाप्त होने के बाद तीनों आरोपी लड़कियों को बहला-फुसलाकर अलग-अलग स्थानों पर ले गए और वहां उनके साथ यौन शोषण की इस घृणित वारदात को अंजाम दिया। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने बताया कि इस मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए सभी आरोपी वयस्क हैं और पीड़ितों के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने पीड़िताओं के बयानों के आधार पर महिला पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पीड़ित लड़कियों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने सभी पीड़िताओं की आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराई है। फिलहाल, कानून के जानकारों और महिला पुलिस बल की देखरेख में मामले की आगे की गहन जांच की जा रही है ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

एआई से छात्रा की अश्लील तस्वीर बनाने वाले बस चालक को 25 साल की सजा

बलिया, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के बलिया की स्थानीय अदालत ने आठवीं कक्षा की छात्रा की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर अश्लील तस्वीर बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्कूल बस के चालक संजीत कुमार को दोषी करार देकर 25 साल के कारावास और 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना करीब डेढ़ साल पुरानी है। भीमपुरा थाने में पीड़ित छात्रा के पिता ने पिछले साल 7 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी संजीत कुमार स्कूल में अनुबंध पर वाहन चलाता था।

पीएम मोदी को खड़गे की चुनौती, राहुल गांधी से खुली बहस क्यों नहीं कर रहे?

राहुल गांधी ने कहा, 24 घंटे हो गए अभी तक जबाव नहीं आया

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर सवाल किया है कि वे वोट चोरी के आरोपों का जवाब देने से क्यों बच रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी है, लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर सवालों का सामना करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष के खिलाफ दिमागी नक्सल जैसे बयान दे रहे हैं। कांग्रेस नेता खड़गे ने पोस्ट कर चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की घेराबंदी की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता खड़गे का आरोप है कि आयोग ने इस प्रक्रिया को लेकर पांच बार अपना रुख बदला है। उन्होंने फॉर्म-6 का जिक्र कर दावा किया कि चुनाव आयोग के कुछ अन्य आयुक्तों ने इस फार्म को गैरकानूनी बताया था।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री देश में तीन करोड़ घुसपैठियों के होने का दावा करते हैं, लेकिन इतने वर्षों तक इस पद पर रहने के बावजूद अवैध घुसपैठ रोकने में मोदी सरकार क्यों सफल नहीं हुई? खड़गे ने मामले में केंद्रीय गृह मंत्री की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए।

कांग्रेस नेता खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की मांग और वोट बचाओ रैली का उल्लेख कर कहा कि इन घटनाओं से प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को परेशान कर दिया हैं। उन्होंने संसद सत्र को लेकर भी मोदी सरकार पर सवाल उठाए। खड़गे के मुताबिक, बीते संसद सत्र के समाप्त होने के 83 दिन बाद सरकार विशेष सत्र बुलाने की बात कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से संसद में आकर पत्रकारों के सामने सवालों का जवाब देने और राहुल गांधी के साथ खुली बहस करने की मांग की। इसके पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि उनकी चुनौती के 24 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी पसंद का मंच और स्थान चुन सकते हैं। बहस के दौरान मीडिया और देश के युवाओं की मौजूदगी भी होनी चाहिए। उन्होंने बहस का मुद्दा देश विरोधी गतिविधियों और विदेशी ताकतों से संबंधों को बनाने की बात कही। राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत बहस के निर्णायक हो सकते हैं।



गौरतलब है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों की मदद से सत्ता में आने और उनके सहारे सत्ता में बने रहने के आरोप लगाए थे। उन्होंने भारत की वित्तीय व्यवस्था पर भी विदेशी ताकतों के प्रभाव का दावा किया था। यह राजनीतिक विवाद गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के बाद तेज हुआ। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर देश के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया था। इसके बाद से कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियां तेज, मतदान और मतगणना कार्मिकों का डाटाबेस होगा तैयार



हरिद्वार (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 को निष्पक्ष, सफलतापूर्वक और निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्वाचन के दौरान मतदान और मतगणना कार्यों के लिए कार्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद के सभी सरकारी एवं अर्द्धसरकारी विभागों, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों तथा शिक्षकों का डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड, देहरादून के निदेर्शों के अनुपालन में यह प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत जनपद के सभी संबंधित विभागों और शिक्षण संस्थानों से कार्मिकों का अद्यतन विवरण प्राप्त किया जा रहा है। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों, कार्यालयाध्यक्षों और शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित प्रारूप-1 एवं प्रारूप-2 के भाग 2/1, 2/2, 2/3 और 2/4 में मांगी गई सूचना शुद्ध, स्पष्ट, त्रुटिरहित और अद्यतन रूप में 5 नवंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि संबंधित विभाग और कार्यालय कार्मिकों का विवरण ई-मेल आईडी ४१@ल्ल्ल्.ल्ल पर भेज सकते हैं अथवा इसकी हार्ड कॉपी जिला सूचना विज्ञान केंद्र, हरिद्वार में जमा करा सकते हैं। निर्धारित प्रारूप में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर निर्वाचन कार्मिकों का डाटाबेस तैयार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि तय समयसीमा तक कार्मिकों का विवरण उपलब्ध नहीं कराने वाले संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना मजबूरी है, मरवा सकते हैं खान सर

- ज्ञान बिंदु कोचिंग के मालिक रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में लगाए गंभीर आरोप

पटना, एजेंसी। बिहार में खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग सेंटर के मालिक रौशन आनंद के बीच विवाद फिर चर्चा में है। रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में खान सर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना उनकी मजबूरी है। रौशन आनंद ने दावा किया कि खान सर उन्हें भी मरवा सकते हैं और अपने बचाव के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खान सर बेहद धूर्त हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी की जान लेकर वह सुरक्षित रह सकते हैं, तो वह ऐसा भी कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनंद ने 2 जून को हुई गोलीबारी की घटना को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी। उनके मुताबिक गोलीकांड सरकारी बॉडीगार्ड हासिल करने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने खुद पर दर्ज प्राथमिकी को झूठा बताते हुए कहा कि 3 जून की सुबह करीब 4 बजे बिना उचित जांच के उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। आनंद ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए खान सर के खिलाफ लगाए गए पुराने आरोपों की जांच नहीं होने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने मोकामा के विधायक अनंत सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि ना जीने की खुशी, ना मरने का गम। रौशन आनंद ने कहा कि अब उनकी जिंदगी भी इसी स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने अपने भाई प्रिंस की नेपाल में संदिग्ध मौत का जिक्र करते हुए खान सर पर गंभीर आरोप भी लगाए। हालांकि, खान सर इन आरोपों को पहले ही बेबुनियाद बता चुके हैं।

अब्दुल रहमान की जीत पर ओवैसी... अब अब्दुल दरी नहीं बिछाएंगे

मिशीगन से सीनेट चुनाव जीतकर रखा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी । अमेरिका के मिशिगन में अब्दुलर हमान मोहम्मद अल-सैयद की सीनेट चुनाव में जीत ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरी हैं। वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम हैं, जिसकी गूंज भारत तक पहुंची और एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जीत को उत्तर प्रदेश के मुसलमानों के लिए राजनीतिक पहचान मजबूत करने का संदेश बताया।

ओवैसी ने लिखा, एक अब्दुल मिशिगन में जीत गया, अब यूपी के अब्दुल को भी अपनी सियासी पहचान मज़बूत करनी होगी। संघियों ने अब्दुल को तंज़ में बदलने की बहुत कोशिश की है। वक़्त आ गया है कि हम दिखाएं कि अब्दुल अल्लाह के सिवा किसी की गुलामी नहीं करता। अब दरी नहीं बिछाएंगे। उनका यह बयान उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को अपनी राजनीतिक ताकत पहचानने और मजबूत करने की अपील के तौर पर देखा जा रहा है।



बात दें कि मिस्र-अमेरिकी मूल के डॉक्टर और प्रगतिशील नेता अल-सैयद ने मिशिगन में रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स के खिलाफ एक कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। उनकी यह जीत अमेरिकी राजनीति में एक ऐतिहासिक क्षण मानी जा रही है, खासकर इसलिए क्योंकि उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान लगातार इस्लामोफोबिक हमलों का सामना करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें जिहादी तक कहा और यहां तक कि अपनी ही पार्टी के भीतर से भी उन्हें विरोध झेलना पड़ा, जब अगस्त में उनसे प्राइमरी में हारने वाली हेली स्टीवंस ने रिपब्लिकन उम्मीदवार का समर्थन कर दिया।

जीत का दावा करने के बाद, अल-सैयद ने अपने भाषण में अमेरिकी व्यवस्था पर कॉरपोरेट कंपनियों और अरबपतियों के बढ़ते प्रभाव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर और ताकतवर देश में लोगों को राशन, पेट्रोल, घर या डॉक्टर को दिखाने जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष नहीं करना चाहिए। अल-सैयद ने स्पष्ट किया कि करदाताओं का पैसा लोगों और उनके बच्चों पर खर्च होना चाहिए, न कि दूसरे देशों के बच्चों पर बम गिराने में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका की महानता अपनी कमियों को नजरअंदाज करने में नहीं, बल्कि उन्हें सुधारने की हिम्मत दिखाने में है। उनकी यह जीत अमेरिकी राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

पंजाब में इंसाफ की बात करने से पहले 1984 के मामले पर जवाब देना था

-राहुल गांधी की इंसाफ रैली को लेकर बीजेपी नेता ने बोला तीखा हमला

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बुधवार को संगरूर जिले में होने वाली इंसाफ रैली को लेकर बीजेपी नेता सतीश पूनिया ने कहा कि 1984 में जो कुछ हुआ था, उसे देश की जनता आज तक नहीं भूली है। चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत के दौरान पूनिया ने कहा कि राहुल गांधी को पंजाब में इंसाफ की बात करने से पहले 1984 के मामले पर जवाब देना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि अच्छी बात तो यह होती कि राहुल गांधी इस मामले में पंजाब की जनता के सामने जवाब लेकर आते। ऐसे में राहुल गांधी जब पंजाब आकर राज्य के हक की बात करते हैं, तो उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। राहुल की ओर से पीएम मोदी को बहस की चुनौती दिए जाने पर पूनिया ने कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को करीब 55 साल तक शासन करने का अवसर दिया है। ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर आम नागरिक भी कांग्रेस से सवाल पूछते हैं, लेकिन पार्टी के पास जवाब नहीं होते। राहुल गांधी को पीएम मोदी से बहस करने से पहले अपनी ही पार्टी के भीतर देखना चाहिए और परखना चाहिए कि कांग्रेस की सरकारों ने क्या काम किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी किसी आम बीजेपी कार्यकर्ता के साथ भी बहस कर लें, तो उन्हें कांग्रेस से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल जाएंगे।

पूनिया ने कहा कि पंजाब कभी सुख-शांति और भाईचारे के लिए जाना जाता था, लेकिन 1984 की घटनाओं ने राज्य और देश के सामने गहरा जख्म छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि उन घटनाओं से प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए दिल्ली और हरियाणा की बीजेपी सरकारों ने प्रयास किए हैं। उन्होंने कांग्रेस की ओर से 1 नवंबर को आयोजित रैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस दिन 1984 में नरसंहार और कत्लेआम हुआ था, उसी दिन बड़ी रैली आयोजित करने के पीछे कांग्रेस की मंशा क्या थी, यह समझ से परे है। नई पीढ़ी को भी उस घटना के बारे में याद रखना चाहिए और पीड़ित समुदाय के साथ जो हुआ, उसे भुलाया नहीं जा सकता। पंजाब में बीजेपी के साथ अन्य पार्टियों के गठबंधन पर पूनिया ने कहा कि कुछ फैसलों के लिए अभी इंतजार करना चाहिए।



कुंभ-2027 से पहले हरकी पैड़ी और रोड़ी बेलवाला घाटों का होगा कायाकल्प, अपर मेलाधिकारी ने परखी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार में गंगा घाटों के जीर्णोद्धार और सुरक्षा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने हरकी पैड़ी एवं रोड़ी बेलवाला पुनर्विकास योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण और मरम्मत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि घाटों और पुलों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था यूपीडीसीसी के अधिकारियों को गंगा नहर बंदी की अवधि का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दौरान घाटों के जलमग्न रहने वाले हिस्सों की मरम्मत और पुनर्निर्माण का काम प्राथमिकता से पूरा किया जाए, ताकि कुंभ शुरू होने से



पहले सभी घाट श्रद्धालुओं के स्नान और आवागमन के लिए सुरक्षित एवं व्यवस्थित हो सकें। उन्होंने घाटों पर पर्याप्त ऊंचाई और मजबूती वाली सुरक्षा रेलिंग तथा जंजीरें लगाने के निर्देश दिए। मौके पर स्थापित रेलिंग की मजबूती और उनकी गुणवत्ता भी परखी। इसके बाद उन्होंने हाथीपुल पर चल रहे मरम्मत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने पुल पर निर्धारित ऊंचाई तक सुरक्षा रेलिंग लगाने का काम शीघ्र पूरा करने के साथ प्रवेश स्थल और स्तंभों पर स्थापित मूर्तियों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। पुल पर पर्याप्त और उपयुक्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। अपर मेलाधिकारी ने यूपीडीसीसी के अधिकारियों के साथ विष्णुघाट, कुशावर्त घाट, गौ घाट, सुभाष घाट और मालवीय द्वीप क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने क्षतिग्रस्त टाइल्स और पत्थरों को शीघ्र बदलने तथा नए निर्माण में पहले से मौजूद टाइल्स और पत्थरों के रंग, आकार एवं स्वरूप में एकरूपता बनाए रखने को कहा, ताकि घाटों का मूल स्वरूप और सौंदर्य बरकरार रहे। उन्होंने सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समयसीमा में पूरे करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेला कार्यालय की तकनीकी शाखा के अधीक्षण अभियंता मनोज भट्ट, यूपीडीसीसी के परियोजना प्रबंधक सुमित मलवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कुंभ-2027 की तैयारियों में गुणवत्ता पर जोर, आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों ने चार निमार्णाधीन पुलों का किया निरीक्षण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हरिद्वार में चार बड़े स्थायी पुलों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। इन निर्माण कार्यों की मजबूती, सुरक्षा और गुणवत्ता परखने के लिए मेलाधिकारी सोनिका की पहल पर आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों की टीम ने बुधवार को चारों निमार्णाधीन पुलों का तकनीकी निरीक्षण किया। प्रोफेसर डॉ. संजय के नेतृत्व में पहुंची टीम ने निर्माण स्थलों पर कार्यों की प्रगति और निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुपालन का जायजा लिया।

विशेषज्ञों की टीम ने सबसे पहले खड़खड़ी मार्ग पर सुखी नदी पर बन रहे दो लेन के पुल का निरीक्षण किया। इसके बाद मायापुर एस्केप चैनल पर दक्षद्वीप और बैरागी कैंप को जोड़ने के लिए पूर्व निर्मित पुल



के निचले हिस्से में बनाए जा रहे 60 मीटर विस्तार वाले बो-स्ट्रिंग स्टील गर्डर पुल की गुणवत्ता जांची। यह दो लेन का पुल होगा।

इसके उपरांत टीम ने ज्वालापुर से ईदगाह, सुभाषनगर पीएसी होते हुए शिवालिक नगर जाने वाले मोटर मार्ग पर पथरी रौ नदी में निमार्णाधीन 60 मीटर विस्तार वाले पूर्व-तनावयुक्त आरसीसी पुल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही धनौरी-सिडकुल संपर्क मार्ग पर पथरी रौ नदी के पुराने गंगनहर साइफन के निचले हिस्से में बनाए जा रहे 90 मीटर विस्तार वाले संयुक्त स्टील गर्डर पुल का भी तकनीकी परीक्षण किया गया।

मेलाधिकारी सोनिका की पहल पर निर्माण कार्यों की निगरानी के लिए बहुस्तरीय व्यवस्था अपनाई जा रही है। इसके तहत नियमित जांच के लिए बाहरी गुणवत्ता परीक्षण एजेंसी नियुक्त करने के साथ आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान टीम ने निर्माण तकनीक, कार्यों की गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की जांच की तथा आवश्यक तकनीकी सुझाव देने के लिए विभिन्न पहलुओं का आकलन किया।

मेला प्रशासन का लक्ष्य है कि चारों पुल निर्धारित समयसीमा में तैयार हों, जिससे कुंभ के दौरान यातायात का दबाव कम करने और श्रद्धालुओं को आवागमन की अतिरिक्त सुविधा देने में मदद मिले। ये पुल कुंभ के बाद भी हरिद्वार की स्थायी यातायात व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे। निरीक्षण के दौरान उप मेलाधिकारी आकाश जोशी, मेला कार्यालय के तकनीकी प्रकोष्ठ के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार भट्ट तथा लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग के अभियंता मौजूद रहे।

पूर्वांचल भवन का शुभारंभ, छठ घाटों की संख्या बढ़ाकर 79 करने की तैयारी; संचालन के लिए बने 60 से अधिक सदस्य

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम के पूर्वांचल भवन का बुधवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित पहली बैठक में छठ महापर्व की तैयारियों और शहर के विभिन्न घाटों पर व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने छठ घाटों की संख्या 73 से बढ़ाकर 79 करने के निर्देश दिए। इस निर्णय पर पूर्वांचल समाज के लोगों ने खुशी जताते हुए नगर निगम अधिकारियों का स्वागत और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 200 से अधिक पूर्वांचल समाज के लोग उपस्थित रहे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद और मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अनिरुद्ध सिंह सहित अन्य निगम अधिकारियों ने समाज के प्रतिनिधियों के साथ छठ घाटों पर सफाई, प्रकाश, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को सभी घाटों पर समय



से व्यवस्थाएं पूरी करने और अभियान के रूप में तैयारियां आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।
नगर आयुक्त ने पूर्वांचल समाज के लोगों से पूर्वांचल भवन के सफल संचालन के लिए अधिक से अधिक सदस्य बनने की अपील की। उपस्थित लोगों की सहमति के बाद सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भवन की बुकिंग शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। अब तक भवन के लिए 60 से अधिक सदस्य बन चुके हैं। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त के नेतृत्व में नगर निगम छठ महापर्व को भव्य रूप देने की तैयारी कर रहा है। मुख्य हिंडन छठ घाट सहित शहर के अन्य घाटों पर सफाई, प्रकाश, जलकल और निर्माण संबंधी कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। पूर्वांचल भवन के शुभारंभ पर समाज के लोगों ने उत्साह जताते हुए इसके संचालन में सहयोग का भरोसा दिया। इस अवसर पर रीता सिंह, जय दीक्षित, एसपी सिंह, अर्चना सिंह और मनोज सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

बाबूगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, 25 हजार के इनामी समेत दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस टीम ने पांच अलग-अलग जनपदों में आतंक का पर्याय बने 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश सहित दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से जनपद मेरठ से चोरी की गई एक स्कूटी और अवैध असलाह बरामद हुआ है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है। थाना बाबूगढ़ प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान के दौरान पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी बीच मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने अल्लीपुर अंडरपास से गढ़मुक्तेश्वर की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर घेराबंदी कर दो संदिग्ध युवकों को



रोक लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से अवैध हथियार और चोरी का वाहन बरामद हुआ, जिसके बाद उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया। कड़ाई से पूछताछ के दौरान पकड़े गए 25 हजार के इनामी शातिर अभियुक्त ने अपनी पहचान मुनीर (पुत्र अनवर, निवासी नवाबपुरा, हाजीनेक मस्जिद के निकट, नागफनी थाना, जनपद मुजफ्फरनगर) के रूप में बताई। वहीं उसके दूसरे साथी की पहचान गौरव (पुत्र मलखान, निवासी ग्राम डिटोरा, थाना मझोला, जनपद मुरादाबाद) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि ये दोनों शातिर अपराधी लंबे समय से विभिन्न जिलों में सक्रिय थे और आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा और गंभीर है। दोनों के खिलाफ हापुड़ के अलावा रामपुर, मुरादाबाद, संभल और मेरठ जनपदों के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत करीब चार दर्जन (48) गंभीर अभियोग पंजीकृत हैं। पुलिस इस बात की भी गहनता से जांच कर रही है कि इनके अन्य साथी इस आपराधिक नेटवर्क में कहां-कहां सक्रिय हैं। बाबूगढ़ पुलिस की इस प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मच गया है।

डीएम कार्यालय में अधिवक्ता से कथित दुर्व्यवहार पर भड़के वकील, तबादले की मांग को लेकर धरने पर बैठे

बिजनौर (शिखर समाचार)। मृतक आश्रित कोटे में नौकरी से जुड़े मामले में अपने मुवक्किल के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे अधिवक्ता से कथित अभद्रता किए जाने के विरोध में बुधवार को अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया। आक्रोशित वकील जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए और जिलाधिकारी के तबादले तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह द्वारा खेद व्यक्त करने और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने का आश्वासन दिए जाने पर अधिवक्ताओं ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया। जानकारी के अनुसार जिला बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव अधिवक्ता रामेंद्र सिंह मृतक आश्रित के एक मामले में अपने मुवक्किल के साथ जिलाधिकारी से मिलने पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने अपना परिचय पत्र कार्यालय के अंदर



भिजवाया, लेकिन काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद वह अन्य फरियादियों की तरह कतार में लगकर जिलाधिकारी से मिलने पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों के साथ अधिवक्ताओं के प्रवेश पर प्रतिदिन प्रतिबंध होने की बात कहते हुए उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। इससे आहत रामेंद्र सिंह ने कार्यालय से बाहर आकर विरोध जताया और धरने पर बैठ गए। घटना की जानकारी मिलते ही सैकड़ों अधिवक्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के तबादले तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा की। स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने वकीलों से बातचीत की। बाद में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने खेद जताते हुए भविष्य में किसी अधिवक्ता के साथ ऐसी घटना न होने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, सचिव मनोज शेट्टी सहित अन्य पदाधिकारी वार्ता में शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने भी स्थिति सामान्य कराने में भूमिका निभाई। हंगामे के चलते कलेक्ट्रेट परिसर में काफी देर तक गहमागहमी बनी रही।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कलेक्ट्रेट में की जनसुनवाई, समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का समाधान केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतकर्ता पूरी तरह संतुष्ट हो और उसकी समस्या का वास्तविक समाधान हो सके।



इस दौरान भूमि विवाद, राजस्व संबंधी प्रकरण, अवैध कब्जे, पेंशन, राशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतों पर विशेष ध्यान दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान शासन और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए सभी अधिकारी जनसामान्य की शिकायतों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील रहें।
जनसुनवाई के माध्यम से शासन की मंशानुरूप अधिकारियों को यह भी पाबंद किया गया कि वे धरातल पर उतरकर प्रभावी कार्रवाई करें, ताकि आम जनता को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें और उन्हें समय पर न्याय व राहत मिल सके।

यूपी प्रेस क्लब में दो वरिष्ठ पत्रकारों को दी गई श्रद्धांजलि, संस्मरणों के जरिए याद किया योगदान



लखनऊ (शिखर समाचार)। वरिष्ठ पत्रकार ललित रायजादा और छायाकार पत्रकार आरबी थापा के निधन पर बुधवार को यूपी प्रेस क्लब में शोक सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों ने दोनों दिवंगत पत्रकारों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। शोक सभा में वक्ताओं ने ललित रायजादा और आरबी थापा के पत्रकारिता जीवन से जुड़े विभिन्न संस्मरण साझा किए। उन्होंने कहा कि दोनों पत्रकारों ने अपने कार्य और अनुभवों के माध्यम से पत्रकारिता जगत में अपनी अलग पहचान बनाई। वक्ताओं ने उनके साथ बिताए समय की यादें साझा करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकारों के जीवन परिचय, अनुभवों और पत्रकारिता से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को संकलित करने के लिए एक डायरी तैयार करने का सुझाव भी दिया गया, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके अनुभवों से परिचित हो सकें। शोक सभा में अपर निदेशक सूचना अरविंद कुमार मिश्रा ने राज्य सरकार की ओर से पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में रविंद्र कुमार सिंह, हसीब सिद्दीकी, सुरेश बहादुर सिंह, गोविंद पंत राजू, वासेंद्र मिश्र, संजय जोहरी, शिवशरण सिंह, विश्वदेवराव, प्रेमकांत तिवारी, त्रिलोचन सिंह, अशोक राजपूत, अनिल त्रिपाठी, राजीव तिवारी बाबा, मोहम्मद जान तुर्की, शिव विजय सिंह, जुबेर अहमद, नजम एहसन और अनिल सैनी सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

धौलाना में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1.25 लाख रुपये का 1750 किलो मिलावटी बेसन जब्त

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। विभाग की टीम ने धौलाना इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक खाद्य सामग्री निर्माण इकाई पर औचक छापेमारी करते हुए करीब 1750 किलोग्राम संदिग्ध बेसन को मौके पर ही सीज कर दिया। सहायक आयुक्त खाद्य (द्वितीय) चंद्रशेखर मिश्र के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने एमजी रोड स्थित साईं नाथ फूड्स फैक्ट्री में अचानक दबिश दी। निरीक्षण के दौरान टीम ने संयंत्र से बेसन, नमकीन और हल्दी पाउडर के तीन अलग-अलग नमूने भरकर जांच हेतु प्रयोगशाला (लैब) भेजे। प्रारंभिक जांच में बेसन में खाद्य सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन



पाए जाने पर लगभग 1.25 लाख रुपये मूल्य के 1750 किलो बेसन को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि त्योहारी सीजन के मद्देनजर आम जनमानस को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा। इस पूरी छापामार कार्रवाई में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहित कुमार, सहरिश सादात और विपिन कुमार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एलायंस क्लब हापुड़ माधव का भव्य दीपावली मिलन उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न



हापुड़ (शिखर समाचार)। एलायंस क्लब हापुड़ माधव द्वारा रेलवे रोड स्थित रॉयल महाराजा पैलेस में दीपावली मिलन उत्सव का भव्य आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में इंटरनेशनल डायरेक्टर अजय बंसल और समाजसेवी विजय वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जिन्हें क्लब सदस्यों ने पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उत्सव का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके उपरांत सोनिया अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही कपल गेम्स, डांडिया नृत्य और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों ने आयोजन में चार चांद लगा दिए, जिसका क्लब सदस्यों और उनके परिजनों ने जमकर आनंद उठाया। समारोह में आयोजित जैकपॉट गिफ्ट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सौरभ मित्तल, द्वितीय पुरस्कार वैभव अग्रवाल तथा तृतीय पुरस्कार विकास गर्ग ने प्राप्त किया। मंच संचालन करते हुए क्लब अध्यक्ष अनुज गोयल ने सभी को दीपावली की बधाई दी और अंत में सदस्य परिवारों को दीपावली उपहार भेंट किए। इस अवसर पर सचिव नितिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष सौरभ मित्तल सहित क्लब के तमाम सदस्य व उनके परिजन मौजूद रहे।

नई जिम्मेदारी मिलने पर कपिल पवार का जोरदार स्वागत, पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित



नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला मंत्री बनाए जाने पर मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती निवासी एवं नगर पालिका परिषद के भाजपा सभासद कपिल पवार का समर्थकों और बस्तीवासियों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वाल्मीकि बस्ती स्थित एक बैंक्वेट हॉल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूर्व क्षेत्र मंत्री अनूप वाल्मीकि की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में अनूप वाल्मीकि, महेश उर्फ दारा, मनोज वाल्मीकि, रोहित भगत, जलेश कुमार और सोनी कुमार ने कपिल पवार को पगड़ी पहनाकर तथा फूल-मालाएं भेंट कर सम्मानित किया। इसके जवाब में कपिल पवार ने भी अनूप वाल्मीकि को पगड़ी पहनाकर और फूलमाला भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीरज बिश्नोई, प्रहलाद कुशवाहा, कय्यूम लाइन, सभासद डॉ. भूपेश चौहान, सोहन सैनी और रोहित बिश्नोई का भी स्वागत किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कपिल पवार को नई संगठनात्मक जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि कपिल पवार अनुसूचित जाति मोर्चा के माध्यम से संगठन को मजबूत बनाने और समाज के लोगों को पार्टी से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। समारोह में बस्तीवासियों और समर्थकों का उत्साह देखने लायक रहा।

गणित ओलंपियाड में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर, 10 छात्र जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित



बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के कन्या जूनियर हाईस्कूल परिसर में बुधवार को खंड स्तरीय गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विकास खंड के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी गणितीय प्रतिभा और तार्किक क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों का जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी किरण यादव ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों में गणित विषय के प्रति रुचि बढ़ाने, तार्किक सोच विकसित करने और गणितीय कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके लिए विकास खंड के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों से बेहतर प्रदर्शन के आधार पर दो-दो विद्यार्थियों का चयन किया गया था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।
खंड शिक्षा अधिकारी किरण यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। इनमें उच्च प्राथमिक विद्यालय शाहडब्बर के केशव ने प्रथम, उच्च प्राथमिक विद्यालय राजपुर छाजपुर के वंश ने द्वितीय तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय गढ़ी सखावतपुर के रचित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चयनित सभी विद्यार्थी अब जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में बुढ़ाना विकास खंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मनोज चौधरी, शिक्षक सुशील सैनी, आनंद मलिक, आमिर अहमद, प्रीति चौहान, मनीषा चौधरी, ज्योति शर्मा, रश्मि आर्या, विकास राठी, साधना और गीतांजलि सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

अवैध हुक्का बार का भंडाफोड़, संचालक समेत एक महिला गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीलामोड पुलिस ने क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे हुक्का बार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने छापेमारी कर हुक्का बार का संचालन कर रहे एक अभियुक्त और एक अभियुक्ता को मौके से गिरफ्तार किया है, जो बिना किसी वैध अनुमति के यह अवैध कारोबार चला रहे थे। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना टीलामोड क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के संचालन की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी क्रम में उच्च अधिकारियों के निर्देश पर स्थानीय पुलिस ने एक संदिग्ध स्थान पर औचक दबिश दी, जहाँ धड़ल्ले से अवैध हुक्का बार चलाया जा रहा था। पुलिस की इस अचानक हुई कार्रवाई से मौके पर हड़कंप मच गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से हुक्का बार संचालित



कर रहे आरोपी पुरुष और महिला को हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 04 हुक्का पाइप, हुक्के में प्रयोग होने वाली सामग्री के 02 पैकेट फ्लेवर्ड तंबाकू, 01 प्लास्टिक के डिब्बे में फ्लेवर्ड तंबाकू, 02 चिमटा और कोइल गर्म करने वाला 01 छोटा इलेक्ट्रिक हीटर बरामद किया गया है। पुलिस ने बरामद सभी सामग्री को अपने कब्जे में लेते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, जहाँ से उन्हें नियमानुसार आगे की न्यायिक प्रक्रिया के तहत भेजा गया है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
(ISO 9001 :2015 एवं ISO 14001 :2015 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक: 1076/व्यव0अनु0/2026 दिनांक– 04/11/2026

नीलामी दिनांक 12–11–2026 के सम्बन्ध में आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में अनिस्तारित/रिक्त/नवसृजित विभिन्न श्रेणी के आवासीय, व्यवसायिक, मिक्स लैण्ड यूज, फैसलिटी भूखण्ड, कन्वीनियेन्ट शॉपिंग भूखण्ड, दुकान भूखण्ड, ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड, ओल्ड एज होम, सामुदायिक केन्द्र भूखण्ड, शिक्षण संस्थान, हॉस्पिटल भूखण्ड इत्यादि सम्पत्तियों को विक्रय किये जाने की दिनांक 12–11–2026 को प्रस्तावित नीलामी हिन्दी भवन, लोहियानगर, गाजियाबाद के स्थान पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सभागार कक्ष में आयोजित की जायेगी।

एवं

नीलामी विवरण पुस्तिका/ब्रोशर की संशोधित धारा–7 (i) प्रभावी होने के कारण धारा–6 प्लान–बी० की उपधारा–V इस प्रकार है :–

यदि आवंटी प्लान–ए स्वीकार करता है तो भूखण्ड का कब्जा आवंटी द्वारा सम्पूर्ण देय राशि जमा कराने के उपरान्त रजिस्टर्ड विक्रय–विलेख निष्पादित करा कर दिया जायेगा। यदि आवंटी प्लान–बी स्वीकार करता है तो ब्रोशर की धारा–7 (i) के अनुसार धनराशि जमा कराने के उपरान्त रजिस्टर्ड अनुबन्ध विलेख निष्पादित करा कर दिया जायेगा। उपरोक्तानुसार भूखण्ड का कब्जा प्राप्त करने के पश्चात आवंटी प्राधिकरण के भवन निर्माण उपविधि के अनुसार प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराकर भूखण्ड पर निर्माण प्रारम्भ कर सकता है। आवंटी को स्वयं के व्यय एवं जोखिम पर भूखण्ड पर योजना प्रकाशित करने का अधिकार होगा, परन्तु प्लान बी की स्थिति में प्राधिकरण से विक्रय विलेख निष्पादित कराने से पूर्व किसी भी क्रेता को विक्रय किये गये भूखण्ड/सम्पत्तियों को हस्तान्तरित करने, किराये पर देने एवं उपविभाजित करने का अधिकार नहीं होगा।

अपर सचिव

ई-मेल : helplinegda@gmail.com, @Gda Ghaziabad : gdagzb
हेल्पलाईन नं: 0120-4418384 व्हाट्सएप :9990988004, वेबसाईट : www.gdaghaziabad.in

एक सुन्दर शहर ..... हमारा संकल्प

संक्षिप्त समाचार

एसजीपीजीआई के पूर्व निदेशक प्रो. अशोक महापात्र का निधन

लखनऊ, एजेंसी। प्रख्यात न्यूरोसर्जन और पद्मश्री प्रो. डॉ. अशोक कुमार महापात्र (74) का सोमवार रात नई दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह काफी दिन से बीमार थे। प्रो. महापात्र 2006 से 2009 तक एसजीपीजीआई के निदेशक रहे। कार्यकाल में उन्होंने ट्रॉमा सेंटर और ट्रांसप्लांट यूनिट का विस्तार कराया। विशेषीकृत सेवाओं, बुनियादी ढांचे तथा अकादमिक-रिसर्च सुविधाओं को मजबूत किया। पीजीआई से पहले और बाद में उनका लंबा कार्यकाल एम्स दिल्ली में रहा। 1983 से 2017 तक उन्होंने न्यूरोसर्जरी में फैकल्टी के रूप में सेवा दी। 1996 में प्रोफेसर और 2004 में सीनियर प्रोफेसर बने। वह विभागाध्यक्ष, न्यूरोसाइंस सेंटर के चीफ और डीन रिसर्च रहे। उन्होंने 870 पेपर, 16 किताबें लिखीं। बाद में 2012-2016 तक वह एम्स भुवनेश्वर के संस्थापक निदेशक रहे और संस्थान में एमबीबीएस, नर्सिंग व सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम शुरू कराए।

मंच पर उतरी एआई की दुनिया

लखनऊ, एजेंसी। विज्ञान को रोचक तरीके से समझाने के लिए विद्यार्थियों ने नाटक को माध्यम बनाया। किसी ने समुद्र में बढ़ते प्रदूषण और उसके संरक्षण का संदेश दिया तो किसी ने एआई के फायदे और चुनौतियों को मंच पर उतारा। आंचलिक विज्ञान नगरी में मंगलवार को आयोजित नगर स्तरीय विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में लखनऊ के 13 स्कूलों की टीमों ने प्रस्तुतियां दीं। इसमें दून वैली हाई स्कूल, इंदिरानगर ने पहला स्थान हासिल किया। दून वैली हाई स्कूल ने एआइ की दुनिया नाटक से पहला, आर्मी पब्लिक स्कूल, एलबीएस मार्ग ने उधार का समंदर से दूसरा और सेंट जोसेफ कॉलेज, सीतापुर रोड ने वीआइपी पूजा : स्वाहा समंदर से तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ अभिनेता डॉ. अनिल रस्तोगी ने स्कूलों में थिएटर को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। केंद्र प्रमुख शतदल घोष ने भी विज्ञान नाटकों के महत्व पर बात की। प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाली टीमें 30 नवंबर व एक दिसंबर को राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली में होने वाली उत्तरी भारत विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

छठ घाटों को संवारने पर खर्च होंगे चार करोड़ रुपये

लखनऊ, एजेंसी। छठ पूजा से पहले शहर के घाटों को संवारने पर करीब चार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नगर निगम और एलडीए मिलकर विकास कार्य कराएंगे। एलडीए 1.92 करोड़ और नगर निगम करीब दो करोड़ रुपये खर्च करेगा। घाटों पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य 10 नवंबर तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। घाटों के सुंदरीकरण और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम तेजी से किया जा रहा है।

दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने का संदेश लेकर दौड़े 200 लोग

लखनऊ , एजेंसी। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र की ओर से प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक्स दिवस पर पांच किलोमीटर की मैराथन आयोजित की गई। गोमतीनगर के मरीन ड्राइव से शुरू हुई दौड़ में 200 लोगों ने हिस्सा लिया। इनमें विश्वविद्यालय के 10 दिव्यांग विद्यार्थी भी शामिल रहे। पीपल थीम पर आयोजित मैराथन में बीपीओ और एमपीओ के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिये कृत्रिम अंगों और सहायक उपकरणों की उपयोगिता बताई। उन्होंने संदेश दिया कि ये उपकरण दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करते हैं। कुलपति आचार्य संजय सिंह की देखरेख में हुए आयोजन में अधिष्ठाता प्रो. वीके सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। संयोजन डॉ. रंजीत कुमार ने किया। सह संयोजक संत प्रकाश गौतम और गार्गी खरे रहे।

हस्तशिल्प की सुंदरता में सजी लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं

लखनऊ , एजेंसी। गोखले मार्ग स्थित शालीमार इम्पीरियल में इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ की ओर से हस्तनिर्मित कलाकृतियों और लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाओं की प्रदर्शनी लगाई गई।

16 हजार खिलाड़ियों के दमखम से चमका एंड्रयूज स्कूल

आगरा, एजेंसी। बेटियों को खेलों में आगे बढ़ाने और स्वस्थ राष्ट्र का संदेश देने वाले 20वें रिया अस्थाना मून स्कूल ओलंपिक का मंगलवार को रंगारंग समापन हुआ। फतेहाबाद रोड स्थित द इंटरनेशनल स्कूल आगरा (टीआईएसए) में आयोजित आठ दिवसीय आयोजन में 340 विद्यालयों के 16 हजार से अधिक बच्चों ने 24 खेलों में दमखम दिखाया। सेंट सीएफ एंड्रयूज स्कूल, पीली पोखर ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता।

मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, राज्यसभा सांसद राम प्रताप सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग, नजीर अहमद, पूरन डावर, अजय अग्रवाल, कुलदीप पाठक, डॉ. गिरधर शर्मा और मेहुल विभव ने समारोह का शुभारंभ किया। संरक्षक डॉ. विजय किशोर बंसल ने आयोजन की सराहना की। अध्यक्ष वीना लवानिया और सचिव इंजीनियर उमेश शर्मा ने आभार जताया। स्वागत मून टीवी निदेशक राजीव दीक्षित, समाचार संपादक मनीष तिवारी और टीआईएसए अध्यक्ष संजय कालरा ने किया। राहुल पालीवाल और राजीव दीक्षित ने बताया कि डीपीएस ताज सिटी ने मेजबान विद्यालय के रूप में सहयोग किया। अगले वर्ष के आयोजन का ध्वज शारदा वर्ल्ड स्कूल को सौंपा गया। इस दौरान टीएन पाराशर, पुष्पेंद्र यादव, भानु प्रताप, सोमेश दुबे, नंदी रावत, मनोज शर्मा, गौरव, ताराचंद, हरिओम राजेश, जितेंद्र सिंघल और अभिषेक शर्मा ने व्यवस्था संभाली।

ये रहे विजेता विद्यालय : अंडर-19 बालक वर्ग में सेंट सीएफ एंड्रयूज स्कूल 54 अंक लेकर विजेता और डीपीएस 24 अंक के साथ उपविजेता रहा। बालिका वर्ग



में सेंट एंड्रयूज यूनिट-1 (41 अंक) विजेता और डीपीएस आगरा (31 अंक) उपविजेता बना। अंडर-14 बालक वर्ग में सेंट एंड्रयूज यूनिट-4 (26 अंक) विजेता और डीपीएस (23 अंक) उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में डीपीएस आगरा (35 अंक) विजेता और टीआईएसए (22 अंक) उपविजेता बना।

बालिकाओं ने भी दिखाया दमखम: महिला खेल प्रोत्साहन समिति की संयोजक बबीता पाठक ने बताया कि कबड्डी, ताइक्वांडो, मुक्केबाजी, कराटे सहित विभिन्न खेलों में बेटियों ने भाग लिया। पहली बार बालिका फुटबाल में 150 से अधिक और कराटे में करीब 200 बालिकाएं मैदान में उतरीं। इन खेलों के घोषित हुए परिणामः बैडमिंटन जूनियर बालक में एसबीएम, जूनियर बालिका और सीनियर बालक में श्रीराम सेंटेनियल व सीनियर बालिका में टीआईएसए विजेता रहे। मुक्केबाजी में जूनियर बालक सेंट एंड्रयूज यूनिट-4, जूनियर बालिका और दोनों सीनियर वर्गों में कर्नल ब्राइटलैंड विजेता रहा। जिम्नास्टिक में जूनियर बालक सेंट एंड्रयूज यूनिट-4, जूनियर बालिका और सीनियर बालक गायत्री पब्लिक स्कूल शास्त्रीपुरम व सीनियर बालिका में सेंट एंड्रयूज यूनिट-2 विजेता बना। रस्साकशी में जूनियर बालक सेंट एंड्रयूज यूनिट-4, बालिका में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सीनियर बालक में माही इंटरनेशनल और सीनियर बालिका में सूरज गोविंद स्कूल विजेता रहे।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान

योग में अनीक सिंह, अनय जैन, विभावसु त्रिपाठी, वान्या जैन, कराटे में सुखबीर सिंह, एथलेटिक्स में प्रियांशु परमार, आदर्श मौर्य, राखी यादव, फुटबाल में चेष्टा परिहार, दिलीप कुमार, हैंडबाल में अलायन्या खान, रेहान खान, अविष्का राठौड़ी; स्केटिंग में आराध्या अग्रवाल, बास्केटबाल में सुहानी अग्रवाल, इनाया फातिमा; टेबल टेनिस में तोशाम गुप्ता, मिशिका लवानिया, तैराकी में श्रेयश सिंह, शतरंज में मौली शर्मा, मोहम्मद हासिब, जिम्नास्टिक में अरिहन वर्मा, नादिता श्रीवास्तव, लॉन टेनिस में आशी राठौर, भूमिका शुक्ला, निशानेबाजी में अभिषेक, नीतू, कबड्डी में दिव्यांश आर्य, उदय राजपूत, मुक्केबाजी में अमन कुमार, वॉलीबॉल में संघमित्रा गौतम और बैडमिंटन में अंकुर प्रताप को सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

पूर्व जिला जज महेश नौटियाल, सुनैना कालरा, नैना कालरा, राजेश गोयल, संजीव चौबे, डॉ. गिरीश गुप्ता, डॉ. आरके पांडे, डॉ. महेश शर्मा, सुधीर भोजवानी, अभय राम, प्रांजल शर्मा, शिवांजल शर्मा, सीए अपूर्वा शर्मा, ओसिन शर्मा और अजय महाजन आदि।

दादामियां के उर्स मेले में जलपरी शो के दौरान टैंक फटा,15 घायल

फखरपुर , एजेंसी। माधवपुर में चल रहे दादामियां के तीन दिवसीय उर्स मेले में सोमवार देर रात जलपरी शो के दौरान पानी से भरा टैंक फट गया। पानी और कांच के टुकड़े तेज बहाव के साथ बाहर निकले, जिससे चार बच्चों समेत 15 लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी फखरपुर पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल दो बच्चों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जबकि अन्य को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय शो देखने के लिए करीब 25 लोग मौजूद थे। रात करीब 10 बजे अचानक टैंक का शीशा टूट गया। सामने खड़े बच्चे कांच की चपेट में आ गए, जिससे उनके सिर और चेहरे पर चोट आई। जलपरी का किरदार निभा रही युवती भी घायल हो गई। घायलों में खालिदपुर गांव निवासी अर्श (8), बुरुऊ (7), अहद खान (8) और मोहम्मद सादिक (9) शामिल हैं।

खालिदपुर निवासी सलीम खान ने बताया कि वह परिवार के साथ उर्स मेले में गए थे। 50 रुपये का टिकट लेकर जलपरी शो देख रहे थे। उसी दौरान तेज आवाज के साथ टैंक का शीशा टूट गया। पानी और कांच के टुकड़े बाहर आने से भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। उनका आरोप है कि हादसे के बाद आयोजक और केयरटेकर मौके से भाग गए।

शो के लिए बनाए गए टैंक में करीब 12 हजार लीटर पानी भरा था। दर्शक बाहर लगे शीशे से टैंक के अंदर जलपरी का करतब देखते थे। एएसपी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि हादसे में 15 लोग घायल हुए हैं। आयोजक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

इन पर दर्ज हुई प्राथमिकी: सीओ डीके श्रीवास्तव ने बताया कि उपनिरीक्षक अनिल यादव की तहरीर पर हुजूरपुर क्षेत्र के गाजीपुर शिवरहा निवासी शान बाबू, कैसरगंज क्षेत्र के ऐनी गांव निवासी फैय्याज, बिहार के बेतिया निवासी राहुल पटेल, शादाब, नदीम, रिजवान खान और मेला कमेटी के अध्यक्ष वाजिद अली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच थाना प्रभारी राजकुमार राजभर कर रहे हैं।

गीडा स्थापना दिवस पर ट्रेड-शो एवं प्रदर्शनी का आयोजन

गोरखपुर , एजेंसी। 30 नवंबर को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 37वें स्थापना दिवस के आलोक में लगने वाले ट्रेड-शो एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों होना प्रस्तावित है। पिछले वर्षों के अनुभव एवं उत्साह के फलस्वरुप इस वर्ष और भी व्यापक स्तर पर पूर्वांचल एवं प्रदेश में निर्मित उत्पादों का ट्रेड-शो एवं प्रदर्शनी लगाई जा रही है।

स्थापना दिवस के संबंध में चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर साल इस कार्यक्रम में शामिल होते हैं। पूरा भरोसा है कि इस वर्ष भी वह शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बुधवार सुबह 11 बजे से गीडा सभागार में मुख्य कार्यपालक अधिकारी, विशाल कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक होनी है। बैठक में प्रमुख रूप से अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राम प्रकाश, सहायक महाप्रबंधक केएन श्रीवास्तव, चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह आदि पदाधिकारी एवं अन्य प्रमुख उद्यमी शिरकत करेंगे।

अभियान चलाकर दुरुस्त की जाने लगीं लाइटें

कानपुर , एजेंसी। दिवाली से पहले शहर की बदहाल मार्ग प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम ने कमर कस ली है। शहर की खराब स्ट्रीट लाइटों को लेकर संवाद न्यूज एजेंसी की ओर से मंगलवार को प्रकाशित की गई खबर का नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने संज्ञान लिया। उन्होंने मार्ग प्रकाश विभाग के अधिकारियों को दिन-रात अभियान चलाकर सभी खराब लाइटें ठीक कराने के निर्देश दिए। इसके बाद मंगलवार सुबह से ही विभागीय टीमें वाहनों के साथ सड़कों पर उतर गईं। जीटी रोड, कालपी रोड समेत कई प्रमुख मार्गों पर मरम्मत का काम शुरू किया गया। कालपी रोड पर विजयनगर से फजलगंज चौराहे तक चार और पनकी धाम मंदिर से स्टेशन मार्ग पर दो खराब स्ट्रीट लाइटें ठीक की गईं। नगर आयुक्त ने बर्रा, गोविंदनगर पुराना पुल, जूही, निरालानगर, चकेरी, काकादेव, शास्त्रीनगर, मसवानपुर, रावतपुर, चमनगंज समेत कई इलाकों व पाकों में तीन दिन के भीतर खराब लाइटें और टॉवर दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। वहीं मार्ग प्रकाश अधिकारी आरके पाल ने बताया कि सीओडी पुल उतरने के बाद डिफेंस क्षेत्र आ जाता है जहां अक्सर विद्युत आपूर्ति प्रभावित होती है जिससे कनेक्शन न मिलने से लाइटें बंद रहती हैं। इसके लिए केस्को एमडी को पत्र भेजा गया है।

गढ़ गंगा मेले की तैयारियों को लेकर भूमि पूजन, मंडलायुक्त ने की समीक्षा बैठक

गढ़मुक्तेश्वर(शिखर समाचार)। पौराणिक एवं ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेले को इस वर्ष पूरी तरह सकुशल, भव्य और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला व मंडल स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों ने गंगा खादर स्थित मेला स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया। इसके उपरांत सभी ने मां गंगा की आरती उतारकर मेले के निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना की, जिससे पूरे क्षेत्र में आस्था और उत्साह का माहौल नजर आया। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र तेवतिया, जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार और अपर मुख्य अधिकारी शिशुपाल



सिंह सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से मुख्य स्नान घाट पर मेले की सफलता की कामना की और तैयारियों का जायजा लिया। भूमि पूजन के बाद मेला स्थल पर ही मंडलायुक्त मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी, डीआईजी मेरठ जोन कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेले में देश-प्रदेश के कोने-कोने से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसलिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते हर हाल में पूरे कर लिए जाएं। बैठक में स्वच्छता, रोशनी, यातायात प्रबंधन और स्नान घाटों पर मजबूत बैरिकेडिंग कराने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने पुलिस और प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मेले के दौरान भैंसा दौड़ पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के कड़े निर्देश दिए। इस अवसर पर एएसपी महेश कुमार, एसडीएम गढ़मुक्तेश्वर, सीएमओ, गढ़ पालिका अध्यक्ष राकेश बजरंगी और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रमोद नागर सहित तमाम संबंधित अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अवैध गैस रिफिलिंग के विरुद्ध अभियान चलाएं -सांसद

बहराइच। अवैध ढंग से गैस रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के चयनित गांवों का ब्योरा भी बुकलेट में शामिल किया जाए। ये निर्देश सांसद आनंद गोंड़ ने मंगलवार को विकास भवन सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में दिए। करीब दो घंटे चली बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक की शुरुआत में सांसद ने कहा कि मौजूदा सरकार में शहर से लेकर गांवों तक विकास कार्य हुए हैं। अधिकारियों को पूरी इच्छाशक्ति से काम करना चाहिए, ताकि योजनाओं का लाभ धरातल पर दिखाई दे। बैठक में नामित सदस्यों ने भी अपने सुझाव रखे। कुछ सदस्यों ने स्वयं सहायता समूहों का गठन बढ़ाने, तो कुछ ने मेडिकल कॉलेज में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। सांसद ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित गांवों की सूची दिशा की बुकलेट में शामिल करें, ताकि सदस्यों को योजना की प्रगति की जानकारी मिल सके। बैठक में जिलाधिकारी राजेश पांडेय, सीडीओ सुनील कुमार धनवंता, सीआरओ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सत्ता पक्ष का एक भी विधायक नहीं पहुंचा- सांसद की अध्यक्षता में हुई बैठक में विपक्ष के एकमात्र कैसरगंज विधायक आनंद यादव शामिल हुए। भाजपा का कोई विधायक या एमएलसी बैठक में नहीं पहुंचा। हालांकि, उनके प्रतिनिधियों ने भागीदारी की। इनमें सदर विधायक प्रतिनिधि अशोक जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि सुनील सिंह समेत समिति के नामित सदस्य मौजूद रहे।

सड़कों के नीचे से होगी जलनिकासी



अलीगढ़ , एजेंसी। शहर की सड़कों पर बारिश के दौरान जलभराव और खुले नालों की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम नई तकनीक अपनाने जा रहा है। सीएम ग्रिड योजना फेज-3 के तहत सड़कों को अब अमेरिका एवं यूरोप में फेमस आधुनिक तकनीक स्टॉर्म वाटर ड्रेन पर बनवाया जाएगा।

नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश मीणा ने मंगलवार दोपहर नगर निगम के मुख्य अभियंता वीके सिंह व इंजीनियरिंग विभाग के साथ इस तकनीकी का मेडिकल रोड पर जाकर भौतिक सत्यापन किया। नगर आयुक्त ने बताया कि इस तकनीक की विशेषता यह है कि सड़क निर्माण के साथ-साथ बारिश के पानी की निकासी के लिए भूमिगत पाइपलाइन एवं मैनहोल आधारित व्यवस्थित ड्रेनेज नेटवर्क विकसित किया जाता है। इससे सड़कें खुले नालों से रहित रहती हैं और ज्यादा चौड़ी रहती हैं।

सड़क पर जमा होने वाले बारिश के पानी को विशेष इनलेट एवं कैच पिट के माध्यम से भूमिगत पाइपलाइन में पहुंचाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली में सीमित दूरी एवं आवश्यकता के अनुसार मैनहोल बनाए जाते हैं।

मैनहोल भूमिगत पाइपलाइन के निरीक्षण, सफाई, रखरखाव एवं आवश्यकता पड़ने पर मरम्मत के लिए उपयोग किए जाते हैं। अमेरिका और यूरोप में इस्तेमाल होने वाली इस तकनीक से सड़क किनारे खुले नालों की जरूरत कम होगी और आवागमन के लिए ज्यादा जगह मिल सकेगी।

स्वदेशी एलईडी लड़ियों और मिलेट्स के गिफ्ट हैंपर से रोशन हुई महिलाओं की दिवाली, 18 लाख से अधिक का कारोबार

देहरादून (शिखर समाचार)। दीपावली के त्योहार पर देहरादून की ग्रामीण महिलाओं ने स्वदेशी उत्पादों और स्थानीय संसाधनों के दम पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं जहां स्वदेशी एलईडी लड़ियां तैयार कर घरों को रोशन कर रही हैं, वहीं पहाड़ी मिलेट्स से बने आकर्षक गिफ्ट हैंपर के माध्यम से बाजार में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। दोनों महिला क्लस्टरों ने दीपावली के अवसर पर लाखों रुपये का कारोबार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला उद्यमिता को मजबूती दी है।

विकासनगर विकासखंड के ग्राम सोरना डोभरी स्थित स्वाभिमान महिला क्लस्टर की महिलाएं मिलेट्स से तैयार विभिन्न खाद्य उत्पादों के गिफ्ट हैंपर बना रही हैं। इनमें हाथ से तैयार कुकीज, रागी हनी बिस्किट, फ्रूट एंड नट्स चॉकलेट, गुड़ मिल्क बिस्किट, रागी चॉकलेट, मंडुआ केक और मंडुआ चॉकलेट शामिल हैं। इन उत्पादों की मांग देहरादून के अलावा उत्तरकाशी और टिहरी गढ़वाल तक पहुंच रही है। क्लस्टर की सदस्य कल्पना बिष्ट के अनुसार, करीब दो वर्ष पहले ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना से जुड़कर बेकरी इकाई स्थापित की गई थी। इस दीपावली पर विभिन्न बड़े संस्थानों से मिले ऑर्डर के तहत अब तक 2,000 से अधिक गिफ्ट हैंपर बेचकर 18 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की जा चुकी है। इस इकाई में गांव की आठ अन्य महिलाओं को भी रोजगार मिल रहा



है। दूसरी ओर, रायपुर विकासखंड के सोडा सरोली ग्रोथ सेंटर में दिव्य ज्योति क्लस्टर की महिलाएं मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अंतर्गत स्वदेशी हिलान्स एलईडी लड़ियों का निर्माण कर रही हैं। क्लस्टर को कुल 1.30 लाख लड़ियां तैयार करने का ऑर्डर मिला है। सोडा सरोली और थानों न्याय पंचायत के करीब 350 महिलाएं घरों पर ही इनका निर्माण कर रही हैं। क्लस्टर अध्यक्ष ममता कोठियाल ने बताया कि अब तक 1.05 लाख लड़ियों की आपूर्ति पूरी हो चुकी है और शेष 25 हजार का निर्माण जारी है। बाजार में इनकी कीमत करीब 120 रुपये प्रति पैकेट है, जबकि लागत 70 से 80 रुपये आती है। प्रत्येक महिला को 100 पैकेट तैयार करने पर लगभग 700 रुपये की आय हो रही है। सहायक परियोजना निदेशक अनीता पंवार ने बताया कि दोनों क्लस्टरों की महिलाएं त्योहार के दौरान आजीविका संवर्धन के कार्यों में जुटी हैं। स्थानीय उत्पादों की बढ़ती मांग से महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। यह पहल स्वदेशी को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

मां को बंधक बनाकर अपमानित करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। मंडावली थाना पुलिस ने मां को बंधक बनाकर अपमानित करने के आरोप में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में दो अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर भी पुलिस की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, पांच अक्टूबर को एक महिला ने मंडावली थाने में लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि रूदेश कुमार, मीना कुमारी और भूपेंद्र देशवाल ने उसकी मां को बंधक बनाकर उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों



आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद से पुलिस नामजद आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में बुधवार, चार नवंबर को मंडावली थाना पुलिस ने मुकदमे में वांछित आरोपी रूदेश कुमार पुत्र महेंद्र सिंह निवासी ग्राम बुडारा, थाना किरतपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपी के विरुद्ध चालान की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में पुलिस की ओर से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आगामी त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। जनपद में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने तथा जनसामान्य को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक में धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज एवं छठ पूजा के दृष्टिगत सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, यातायात तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पर्व आमजन के लिए सुखद और सुरक्षित हो. पुलिस विभाग को बाजारों एवं धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा यातायात एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया. अग्निशमन विभाग को पटाखों की बिक्री के निर्धारित स्थलों पर अग्नि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और केवल ग्रीन पटाखों की बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।



स्वास्थ्य विभाग को जिला अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयों के साथ-साथ आग से झुलसने की घटनाओं से निपटने के लिए बर्न यूनिट और बर्न वार्ड में सभी चिकित्सकीय व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए गए. खाद्य सुरक्षा विभाग को मिलावट रोकने के लिए मिठाई व अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच हेतु विशेष अभियान चलाने को कहा गया. साथ ही, विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा नगर निकायों को स्वच्छता एवं पेयजल की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए. इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, डीसीपी ट्रैफिक मनीषा सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, सिटी मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार मिश्र व एसीपी अर्चना सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपावली पर झुलसे मरीजों के उपचार की तैयारी तेज, सीएमएस ने 12 बेड की बर्न यूनिट का किया निरीक्षण

शामली (शिखर समाचार)। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान आग से झुलसने की घटनाओं की आशंका को देखते हुए जिला संयुक्त चिकित्सालय प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. मनोज कुमार अखोरी ने अस्पताल में संचालित बर्न यूनिट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि झुलसकर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को बिना देरी के बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान सीएमएस ने बर्न यूनिट में साफ-सफाई, मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और उपचार संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान आतिशबाजी के कारण आग से झुलसने की घटनाएं सामने आ सकती हैं। ऐसे में अस्पताल की तैयारियां पहले से पूरी रहनी चाहिए, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सके।



जिला संयुक्त चिकित्सालय में संचालित बर्न यूनिट में झुलसे मरीजों के उपचार के लिए 12 बेड की व्यवस्था है। सीएमएस ने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि यूनिट में नियमित रूप से चिकित्सकों की तैनाती सुनिश्चित की जाए और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही मरीजों की देखभाल, आवश्यक उपचार सामग्री और अन्य सुविधाओं की उपलब्धता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपचार और मरीजों की देखभाल में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल प्रशासन का उद्देश्य दीपावली के दौरान आग से झुलसने वाले लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना और किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटना है।

पशु प्रदर्शनी में कांधला के पदम ने जीता पहला पुरस्कार, शानदार कद-काठी और नस्लीय खूबियों ने बटोरी सराहना



शामली (शिखर समाचार)। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित पशु प्रदर्शनी में कांधला स्थित कान्हा फार्म्स के पशु पदम ने अपनी शानदार शारीरिक बनावट और उत्कृष्ट नस्लीय विशेषताओं के दम पर चार दांत की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि से फार्म के स्वामी कुशांक चौहान और क्षेत्र के पशुपालकों में खुशी का माहौल है। प्रदर्शनी में पदम की आकर्षक कद-काठी और मजबूत शारीरिक गठन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। महज दो वर्ष दस माह की उम्र वाले पदम की लंबाई करीब पांच फुट आठ इंच है। उसकी शारीरिक बनावट के साथ बेहतर दूध उत्पादन क्षमता और श्रेष्ठ ब्लू लाइन वंशावली ने भी निर्णायक मंडल और पशुप्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता के दौरान निर्णायक मंडल ने विभिन्न निर्धारित मानकों के आधार पर प्रदर्शनी में शामिल पशुओं का मूल्यांकन किया। इसमें पदम ने अपनी श्रेणी में अन्य पशुओं को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। उसकी इस उपलब्धि पर आयोजकों की ओर से ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कान्हा फार्म्स के लिए यह उपलब्धि विशेष उत्साह का विषय बनी हुई है। पदम के प्रदर्शन ने पशुपालन के क्षेत्र में बेहतर नस्ल, उचित देखभाल और पशुओं की गुणवत्ता के महत्व को भी सामने रखा है। उसकी सफलता की जानकारी मिलने पर क्षेत्र के पशुपालकों और पशुप्रेमियों ने कुशांक चौहान को बधाई दी।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल, राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र की इस्लामनगर पुलिस चौकी के अंतर्गत अंबेहटा-नकुड़ मार्ग पर देर रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान गंगोह क्षेत्र के ग्राम किशनपुरा निवासी सोनू और सुलेखचंद के रूप में हुई है। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे दो राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार पर्यावरणविद् इंजीनियर गजेंद्र सिंह पंवार और उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी चीनी मिल संघ के निदेशक प्रतिनिधि नीरज पंवार जांडखेड़ा घटनास्थल से गुजर रहे थे। उन्होंने सड़क पर घायल अवस्था में पड़े दोनों युवकों को देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पीआरवी 7994 मौके पर पहुंच गई। वाहन पर तैनात मुख्य आरक्षी विपिन मलिक, आरक्षी विपुल कुमार और चालक होमगार्ड नीलकांत ने इस्लामनगर चौकी से पहुंचे मुख्य आरक्षी देवेंद्र कुमार तथा प्रशिक्षु आरक्षी अमरदीप के साथ मिलकर घायलों की सहायता की। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंबेहटा पीर पहुंचाया, जहां उन्हें उपचार उपलब्ध कराया गया। राहगीरों और पुलिसकर्मियों की इस त्वरित मदद से सड़क हादसे में घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में सहायता मिली। इंजीनियर गजेंद्र सिंह पंवार और नीरज पंवार ने भी मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बिना देर किए पुलिस को सूचना दी। वहीं पुलिसकर्मियों की तत्परता और सहयोग की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।



हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई, सिम्भावली और बाबूगढ़ क्षेत्र में तीन अवैध निर्माण सीज

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) के उपाध्यक्ष के सख्त निर्देशों के अनुपालन में प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने अवैध निमार्णों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है. प्राधिकरण की टीम ने थाना सिम्भावली और थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत बिना अनुमति व मानचित्र स्वीकृत कराए किए जा रहे अवैध निमार्णों से जुड़े 03 मामलों में सीलिंग की कार्रवाई को अंजाम दिया है` प्राधिकरण से प्राप्त विवरण के अनुसार, पहली कार्रवाई थाना सिम्भावली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सिखेड़ा, एन०एच०-09, गढ़मुक्तेश्वर में की गई, जहाँ दिलीप अग्रवाल पुत्र भीमराज अग्रवाल द्वारा लगभग 523 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनाए जा रहे पिकनिक स्पॉट को सीज किया गया. इसी क्रम में दूसरी कार्रवाई थाना सिम्भावली क्षेत्र के ही ग्राम खुडलिया (बक्सर फ्लाई ओवर के निकट, गढ़मुक्तेश्वर) में की गई, जहाँ



धीरज शर्मा पुत्र रामप्रकाश शर्मा द्वारा लगभग 800 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित किए जा रहे पिकनिक स्पॉट को सील किया गया।

तीसरी कार्रवाई थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चकसैनपुर (खसरा संख्या 407) में की गई, जहाँ रणवीर सिंह पुत्र करन सिंह द्वारा लगभग 25 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाए गए अवैध कमरे पर सीलिंग की कार्रवाई की गई है. इस पूरी छापामार एवं सीलिंग कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण का प्रवर्तन दल और सचल दस्ता पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध निमार्णों और अनधिकृत विकास कार्यों के खिलाफ यह निरंतर अभियान आगे भी जारी रहेगा. साथ ही, आम जनता से अपील की गई है कि लोग नियमानुसार मानचित्र स्वीकृत कराकर ही किसी भी प्रकार का निर्माण या विकास कार्य करवाएं, अन्यथा अवैध निमार्णों पर होने वाली ध्वस्तीकरण व सीलिंग जैसी वैधानिक कार्रवाई में होने वाली क्षति के लिए निर्माणकर्ता स्वयं उत्तरदायी होंगे।

शामली की महिलाओं ने बनाए दो लाख से अधिक तिरंगे, सरस मेले में मोहित बेनीवाल ने किया सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। वीवी पीजी कॉलेज में आयोजित जनपद स्तरीय सरस मेला-2026 के दूसरे दिन बुधवार को एमएलसी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मेले में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और उनके उत्पादों की जानकारी ली। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहित बेनीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शामली जनपद की महिलाओं द्वारा दो लाख से अधिक तिरंगों का निर्माण करना पूरे जनपद के लिए गौरव की बात है। महिलाओं ने अपनी मेहनत, हुनर और राष्ट्रभक्ति के माध्यम से यह साबित किया है कि मातृशक्ति राष्ट्रीय अभियानों और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे



सकती है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं से महिला सशक्तिकरण को गति मिली है। स्वयं सहायता समूह महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आज महिलाएं अपने कौशल और परिश्रम के बल पर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ ही सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में भी भागीदारी निभा रही हैं। सरस मेले जैसे आयोजन महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराते हैं। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ऊन दीपिका मेहर, उपजिलाधिकारी कैराना शिवाजी यादव, भूपेंद्र, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम राणा, किसान मोर्चा महामंत्री सतेंद्र, जिला उपाध्यक्ष शिव कुमार चौहान, अमित विश्वकर्मा, अंकित गोयल, कपिल पंवार, अनुराग शर्मा और विनीत मलिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखने गाजियाबाद पहुंचे अपर मुख्य सचिव, स्कूलों का किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बुधवार को गाजियाबाद का विभागीय दौरा कर माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षण कार्य, शिक्षकों की भूमिका और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद विकास भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्धारित एजेंडे के बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।



दौरे की शुरूआत में अपर मुख्य सचिव ने विजय नगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। इसके बाद लोनी विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय बागराणप पहुंचकर शिक्षकों से विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने पूरी टीम के साथ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का भी भ्रमण किया। यहां खान अकादमी सहित शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक संजय उपाध्याय, सहायक निदेशक बेसिक ऐश्वर्या लक्ष्मी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की प्राचार्य ज्योति दीक्षित मौजूद रहीं।

इसके बाद विकास भवन में अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की अध्यक्षता तथा मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और जिला समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। बैठक में पूर्व निर्धारित एजेंडे के प्रत्येक बिंदु की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और निदेर्शों का शीघ्र अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। अंत में उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए बैठक का समापन किया।

खुले में निर्माण सामग्री रखने वालों पर नगर पालिका सख्त, दुकानदारों से मलबा ढकने के निर्देश



दादरी (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के नियमों का पालन कराने और निर्माण सामग्री के कारण फैलने वाले धूल एवं वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए नगर पालिका परिषद दादरी ने अभियान शुरू किया है। अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता के निर्देश पर पालिका की ओर से निर्माण एवं विध्वंस अवशिष्ट प्रबंधन के लिए गठित टीम ने बुधवार को जीटी रोड और रेलवे रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क किनारे खुले में ईंट, रेत, बदरपुर तथा अन्य निर्माण सामग्री रखने वाले दुकानदारों को तत्काल सामग्री निर्माण सुरक्षा जाल से ढकने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान टीम ने दुकानदारों को राष्ट्रीय हरित अधिकरण के नियमों और निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाले मलबे के उचित प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए कि खुले में निर्माण सामग्री या मलबा रखने से धूल उड़ने और वातावरण प्रदूषित होने की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने नगरवासियों, दुकानदारों और व्यापारियों से अपील की कि प्रदूषण फैलाने वाली निर्माण सामग्री अथवा मलबे को खुले में न रखें और निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्माण एवं विध्वंस अवशिष्ट प्रबंधन संबंधी नियमों का उल्लंघन करता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल नगर पालिका परिषद दादरी के हेल्पलाइन नंबर 1533 पर दें। पालिका ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण के नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे सिग्नल में खराबी से देवबंद रोड फाटक पर एक घंटे तक लगा जाम, एंबुलेंस भी फंसी

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। देवबंद रोड स्थित रेलवे फाटक पर बुधवार को रेलवे सिग्नल में तकनीकी खराबी के चलते करीब एक घंटे तक भीषण जाम लगा रहा। सिग्नल नहीं मिलने के कारण ट्रेन रेलवे स्टेशन पर ही खड़ी रही और रेलवे फाटक बंद रहने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। अचानक उत्पन्न हुई इस स्थिति से रेल यात्रियों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।



जाम की स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली 108 एंबुलेंस भी वाहनों की लंबी कतारों के बीच फंस गई। इससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी लोगों की चिंता बढ़ गई। फाटक बंद रहने के कारण दोपहिया, चारपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित रही। लोग काफी देर तक जाम खुलने का इंतजार करते रहे।

बताया गया कि रेलवे सिग्नल में तकनीकी खराबी आने के कारण ट्रेन को आगे बढ़ने के लिए हरी झंडी नहीं मिल सकी थी। इसके चलते ट्रेन स्टेशन पर खड़ी रही और फाटक बंद रखना पड़ा। करीब एक घंटे बाद रेलवे के तकनीकी इंजीनियर मौके पर पहुंचे और खराबी को दूर करने का प्रयास किया। तकनीकी समस्या ठीक होने के बाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके बाद रेलवे फाटक खोला गया और धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका। इस दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को काफी देर तक परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने रेलवे फाटक पर ऐसी तकनीकी समस्याओं के दौरान यातायात और आपातकालीन वाहनों के लिए बेहतर व्यवस्था की आवश्यकता जताई।

जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन, नए विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। नॉलिज पार्क स्थित जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए एक भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नए छात्रों का स्वागत करना, उन्हें नए शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना और उनके बीच आत्मीयता का भाव विकसित करना था। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप के विभिन्न कॉलेजों एवं विभागों के विद्यार्थी भारी उत्साह और जोश से सराबोर नजर आए।

इस रंगारंग कार्यक्रम में मंच पर विभिन्न सांस्कृतिक, मनोरंजक और आधुनिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने ग्रुप डांस, सोलो सिंगिंग, इंस्ट्रूमेंटल परफॉर्मेंस, फैशन शो वॉक, स्किट और नाट्य मंचन जैसी शानदार



प्रस्तुतियां देकर पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। विशेष रूप से फैशन शो के दौरान छात्रों ने अपने आत्मविश्वास, रचनात्मकता और स्टाइल का अद्भुत प्रदर्शन किया, जिसे सभी ने सराहा।

विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आधार पर विभिन्न पाठ्यक्रमों से मिस्टर एवं मिस फ्रेशर का चयन किया गया। बीटेक से शिवांश व एकता, बीसीए से विक्की व तन्वी सिंह, एमसीए से सरवजीत चौहान व महिमा उपाध्याय, बीबीए से अर्पित व प्रियांशी, एमबीए से नित्यानंद व भूमिका और फामेर्सी से आर्यन खान व कीर्तिका को विजेता चुना गया। इसी प्रकार अन्य संकायों से भी कई विद्यार्थियों को मिस्टर एवं मिस फ्रेशर का खिताब प्रदान किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए ग्रुप के चेयरमैन डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि संस्थान केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान देता है। कार्यक्रम के अंत में प्रसिद्ध गायक आकाश चौहान का लाइव शो आयोजित किया गया, जिनकी बेहतरीन प्रस्तुतियों ने युवाओं में भारी जोश भर दिया और छात्रों ने देर तक इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

संपादकीय

मुख्य चुनाव आयुक्त पर रिश्वत के आरोपों से उठे सवाल, लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था की विश्वसनीयता की होगी अग्निपरीक्षा

देश के लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्था भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनविश्वास की सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक आधारशिला है। जब इसी संस्था के सर्वोच्च पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम दो करोड़ रुपये की कथित रिश्वत मांगने के मामले में सामने आता है, तो सवाल केवल किसी एक अधिकारी की व्यक्तिगत छवि का नहीं रह जाता, बल्कि पूरी चुनावी व्यवस्था की साख से जुड़ जाता है। केरल में उनके पूर्व कार्यकाल से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार की ओर से उठाया गया कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसका संबंध लगभग दो दशक पुराने एक सड़क निर्माण प्रोजेक्ट और एक विदेशी इंजीनियर की मौत से जुड़ी परिस्थितियों से बताया जा रहा है। चार नवंबर 2026 को सामने आए इस घटनाक्रम ने राष्ट्रीय राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है। मामला उस समय का बताया जा रहा है जब ज्ञानेश कुमार केरल में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत थे। आरोप है कि केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के अंतर्गत एमसी रोड के विकास कार्य में शामिल भारत मलेशिया की संयुक्त परियोजना कंपनी पीएटीआई बेल के अधिकारियों से बकाया भुगतान जारी करने के बदले दो करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। कोल्लम जिले के चदयामंगलम निवासी पूर्व ठेकेदार साजन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि परियोजना के लगभग 17 करोड़ रुपये के स्वीकृत बिलों का भुगतान रोक दिया गया था। शिकायतकर्ता का दावा है कि कंपनी के मलेशियाई परियोजना अभियंता ली सी बीन ने उसे बताया था कि कथित रिश्वत दिए बिना भुगतान संबंधी चेक जारी नहीं किए जा रहे थे। साजन ने यह भी दावा किया है कि इस विवाद और भुगतान में देरी के कारण परियोजना से जुड़े ठेकेदारों तथा कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस प्रकरण का सबसे संवेदनशील पहलू मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन की वर्ष 2005 में हुई आत्महत्या से जुड़ा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि भुगतान में देरी और कथित रिश्वत की मांग से उत्पन्न परिस्थितियों ने इंजीनियर को मानसिक दबाव में डाल दिया था। यह भी दावा किया गया है कि इंजीनियर ने अपने कथित सुसाइड नोट में संबंधित अधिकारियों की भूमिका का उल्लेख किया था और उसके परिवार के सदस्यों ने कंपनी के कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी थी।

~ मौलिक चिंतन ~

मन मनुष्य की वह शक्ति है, जिसके सहारे वह पुरुष से पुरुषोत्तम हो सकता है।



© विनय संकोची

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है



कांतिलाल मांडोत

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है।

क्या ज्ञानेश कुमार को हटा पायेगा इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन



निर्मल रानी

गत 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में इण्डिया गठबंधन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में विपक्षी दलों की भारी एकजुटता देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के ख़िलाफ़ बुलाई गई इस रैली में देश के कई प्रमुख दलों के शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया। इस रैली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सबसे प्रमुख नेताओं में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हुए। इसके अलावा वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल, डी.के. शिवकुमार और अभिषेक मनु सिंघवी भी मंच पर मौजूद रहे। जबकि समाजवादी पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस रैली में अपनी पार्टी का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस की तरफ़ से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी विपक्ष की इस महारैली में विशेष रूप से शामिल हुईं। तथा राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और युवा नेता तेजस्वी यादव ने मंच से रैली को संबोधित किया। इसी तरह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट से सुप्रिया सुले नेशनल कॉन्फ्रेंस से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख फ़ारूक़ अब्दुल्ला,आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व अन्य कई विपक्षी दलों के अनेक वरिष्ठ नेता इस विशाल रैली को संबोधित करते या सम्मिलत होते दिखाई दिए।

इस रैली में कॉकरोच जनता पार्टी की भी बाहरी तौर पर एक बड़े रैली समर्थक संगठन की सक्रिय भूमिका नज़र आई। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रैली से ठीक पहले सोशल मीडिया पर आधिकारिक घोषणा करते हुए इस रैली को अपना पूर्ण समर्थन दिया था। सीजेपी का मुख्य एजेंडा भी देश में चुनावी शुचिता और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना रहा है। इस महारैली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन आईसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रमुख छात्र नेता नेहा बोरा और उनके संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और आक्रामक रही। इस रैली के ज़रिए नेहा बोरा मुख्यधारा की राजनीति के बड़े विपक्षी नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक बड़े युवा चेहरे के रूप में उभरी हैं। नेहा बोहरा ने तो अपने संक्षिप्त परन्तु तीखा भाषण देते हुये सीधे तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निष्पक्ष होने के बजाय सत्ता पक्ष का इलेक्शन मैनेजर क़रार दिया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि लोकतंत्र से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों पर न केवल महाभियोग चलना चाहिए, बल्कि उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिए।

परन्तु सवाल यह है कि क्या इंडिया गठबंधन का यह विशाल शक्ति प्रदर्शन सरकार पर इतना दबाव डाल सकेगा कि सरकार ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटा दे ? निश्चित रूप से इण्डिया गठबंधन के पास पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का ताज़ातरीन उदाहरण है जिन्हें गत 25 जुलाई 2026 को भारी सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के चलते त्यागपत्र देना पड़ा था। उस समय अभूतपूर्व जन-आक्रोश और देशव्यापी दबाव को देखते हुए ही धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए इस्तीफ़ा दे दिया था। यह नरेंद्र मोदी सरकार के इतिहास में जनता के सीधे दबाव में किसी बड़े कैबिनेट मंत्री के इस्तीफ़े का एक विरल उदाहरण माना जाता है।

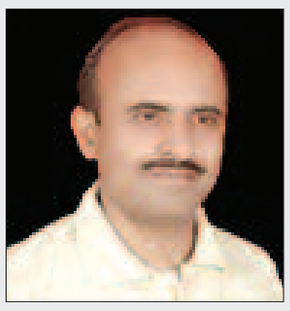
निःसंदेह धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के बाद गत 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी इण्डिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली भी भारतीय राजनीति के लिहाज़ से एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस रैली के ज़रिए विपक्ष ने ईवीएम के साथ-साथ सीधे मतदाता सूचियों में कथित हेरफेर और लगभग 13.2 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए जाने के मुद्दे को देश के राजनीतिक केंद्र में ला दिया है। इससे भविष्य के चुनावों विशेषकर 2027 के उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में चुनावी शुचिता पर बड़ी बहस छिड़ गयी है। इस रैली से ठीक पहले 31 अक्टूबर को विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध एक प्रतीकात्मक जनता द्वारा महाभियोग प्रस्ताव भी पारित किया। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था के बजाय सत्ता पक्ष के इशारे पर काम कर रहा है।

तो क्या इतने सुबूतों व इतने दबाव के बाद ज्ञानेश कुमार जल्द हटाए जा सकते हैं? वास्तव में सरकार व ज्ञानेश कुमार पर अभूतपूर्व दबाव होने के बावजूद संवैधानिक प्रावधानों और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के आधार पर ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाना बेहद जटिल नज़र आता है। भारतीय संविधान के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के जज के समान ही बेहद कठिन है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पास होना ज़रूरी है। वर्तमान में संसद के समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास अकेले इस तरह का बहुमत भी नहीं है। हाँ अगर न्यायालय इस प्रक्रिया में कोई गंभीर ख़ामी पाता है, तो ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने पर नैतिक संकट खड़ा हो सकता है। परन्तु सुप्रीम कोर्ट 17 नवंबर 2026 को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग के कामकाज को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। इस बीच ढुहढुढ़ गठबंधन ने साफ़ किया है कि इस रैली की गूंज संसद में दिखाई देगी और वे ज्ञानेश कुमार के ख़िलाफ़ औपचारिक महाभियोग का प्रस्ताव लाएंगे।

केंद्र सरकार,भारतीय जनता पार्टी और ख़ुद चुनाव आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया को पूरी तरह से वैध और पारदर्शी बताया है। जबकि विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग के अंदर ही अन्य दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े फ़ैसलों पर 14 बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराई थीं। परन्तु विपक्ष के इन आरोपों व सत्ता के बचाव की दलीलों के बीच ऐसा प्रतीत होता है कि जब तक या तो सरकार स्वयं बैकफ़ुट पर नहीं आती या फिर सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोई सख़्त निर्णय अथवा टिप्पणी नहीं आती तब तक केवल विपक्ष के दबाव में किसी संवैधानिक प्रमुख को हटाना संभव नहीं लगता। क्योंकि ज्ञानेश कुमार के हटने के फ़ौरन बाद ही केंद्र सहित विभिन्न राज्यों के चुनाव नतीजों की वैधता पर भी सवाल उठने वाला है। इन सब के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 1 नवंबर का इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार को यथा शीघ्र हटा पायेगा?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के राजनीतिक निहितार्थ



कमलेश पांडेय

आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है।



उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग (NDA) और कांग्रेस नीत इंडी (INDIA) गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (PDA) वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं।

ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है?

भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है।

सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैंः तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्वः 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया। वहीं, 3 नवंबर को ही बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को समझने की सफल कोशिश की। वहीं, 4 नवंबर को गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही कानपुर में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पदयात्रा करेंगे। वहीं, 5 नवंबर को गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा होगी।

तीन नवंबर को लखनऊ में लोकभवन से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा का आयोजन किया गया है। पार्टी ने इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया।

दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। इसलिए भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' जैसा दूरगामी असर वाला राजनीतिक संदेश चुना है। इसका अर्थ है कि पार्टी बहस को विपक्ष के आरोपों से हटाकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक आचरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर केंद्रित करना चाहती है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक सभाओं से नहीं, बल्कि पारदर्शी तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से भी देना आवश्यक होगा।

तीसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर एसआईआर और मतदाता सूची की बहस का राजनीतिक महत्व क्या है? इस अभियान के पीछे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। इस मुद्दे पर दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोण सामने हैंः एक, भाजपा का पक्षः मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। पार्टी इस प्रक्रिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना चाहती है। दो, विपक्ष का पक्षः मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, पारदर्शिता और प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं उठाई जा रही हैं। यहां महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता, उचित सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के प्रभावी अवसर के साथ हो रहा है? लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए पदयात्रा के राजनीतिक संदेश के साथ-साथ एसआईआर पर तथ्यात्मक संवाद भी इस अभियान की कसौटी रहेगा।

चौथा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक भूमिका और नेतृत्व का प्रदर्शन कैसा रहेगा? इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय भागीदारी के कई राजनीतिक पहलू हैं। एक, सरकार और संगठन के बीच तालमेल का प्रदर्शनः मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं की भागीदारी से अभियान को राष्ट्रीय और प्रादेशिक दोनों स्तरों पर महत्व मिलता है। दो, नेतृत्व की सार्वजनिक सक्रियताः पदयात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सीधे कार्यकर्ताओं तथा नागरिकों के बीच उपस्थित होते हैं। इससे चुनाव से पहले संगठनात्मक संपर्क को सक्रिय रखने का अवसर मिलता है। तीन, 2027 के चुनाव की पृष्ठभूमि। योगी आदित्यनाथ की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व की राजनीतिक सक्रियता के संदर्भ में देखा जा सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्रियों की भागीदारी इस कार्यक्रम को केवल स्थानीय संगठनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रहने देती।

पांचवां सवाल यह है कि यूपी के छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्रा का क्या संदेश है? इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक विस्तार है। भाजपा ने केवल लखनऊ में एक बड़ी रैली आयोजित करने के बजाय छह संगठनात्मक क्षेत्रों में अलग-अलग पदयात्राओं की योजना बनाई है। इसके तीन संभावित संगठनात्मक उद्देश्य हैंः एक, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना- स्थानीय इकाइयों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों को चुनावी तैयारी के लिए सक्रिय रखना। दो, स्थानीय संपर्क बढ़ानाः व्यापारियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों तक पहुंच बनाना। तीन, एक समान राजनीतिक संदेशः प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में एक ही नारे और राजनीतिक मुद्दे को सामने रखना। भाजपा की तैयारियों में सामाजिक और व्यावसायिक वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। छठा प्रासंगिक सवाल यह है कि विपक्ष के सामने क्या राजनीतिक चुनौतियां हैं? इस अभियान से विपक्ष के सामने भी कुछ महत्वपूर्ण राजनीतिक सवाल खड़े होते हैं। एक, क्या विपक्ष मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया पर अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ जनता के सामने रख पाएगा? दो, क्या समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इन मुद्दों पर एक साझा राजनीतिक दृष्टिकोण विकसित कर पाएंगे? तीन, क्या विपक्ष केवल विरोध की राजनीति तक सीमित रहेगा या रोजगार, महंगाई, किसानों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को भी समान महत्व देगा? चार, क्या विपक्ष भाजपा के इस अभियान के जवाब में जनता के बीच अपनी बात रखने के लिए प्रभावी जनसंपर्क कर पाएगा? यहां एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक तथ्य भी समझना चाहिए। सरकार की नीतियों की आलोचना करना और चुनावी संस्थाओं से सवाल पूछना अपने आप में अराजकता नहीं है। उसी तरह शांतिपूर्ण राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। किसी भी पक्ष के आरोपों और दावों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

सातवां सवाल है कि आखिर भाजपा के लिए असली परीक्षा क्या होगी? पदयात्रा में कितनी भीड़ जुटती है, कितने बड़े नेता शामिल होते हैं और कितने स्थानों पर कार्यक्रम होते हैं, ये सभी संगठनात्मक गतिविधि के मापदंड हो सकते हैं। लेकिन इनसे अपने आप जनता के राजनीतिक समर्थन या चुनावी परिणाम का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। भाजपा के लिए वास्तविक सवाल होंगेः एक, क्या अभियान के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं पर संवाद होगा? दो, क्या रोजगार और युवाओं के अवसरों पर ठोस चर्चा होगी? तीन, क्या किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े सवालों को पर्याप्त जगह मिलेगी? चार, क्या कानून-व्यवस्था और विकास संबंधी दावों को जमीनी अनुभवों से परखा जाएगा? पांचवां, क्या स्ट्रक्चर से जुड़ी आशंकाओं का तथ्यात्मक समाधान प्रस्तुत किया जाएगा? इसी तरह विपक्ष के लिए भी जरूरी होगा कि वह केवल राजनीतिक आरोपों के बजाय प्रमाण, वैकल्पिक नीतियां और जनता से जुड़े मुद्दे प्रस्तुत करे।

आठवां सवाल है कि 2027 के विधानसभा चुनाव पर इसका संभावित राजनीतिक प्रभाव क्या पड़ेगा? इस अभियान को 2027 के विधानसभा चुनाव की शुरुआती राजनीतिक तैयारियों के एक हिस्से के रूप में देखा जा सकता है। इसके संभावित प्रभावों को चार बिंदुओं में समझा जा सकता है। एक, संगठनात्मक सक्रियता- कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेतृत्व को सक्रिय रखने का अवसर। दो, राजनीतिक विमर्श- चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बहस को प्रमुखता देना। तीन, विपक्ष की रणनीतिः भाजपा के आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देने की चुनौती। चार, चुनावी मुद्दे- शासन, विकास, रोजगार और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर नई बहस। लेकिन यह अभियान भाजपा को कितना राजनीतिक लाभ देगा, इसका आकलन अभी करना जल्दबाजी होगी। इसके लिए जनता की प्रतिक्रिया, स्थानीय मुद्दों और आगामी राजनीतिक घटनाक्रम को देखना होगा।

नौवां सवाल यह है कि इस अभियान के व्यापक लोकतांत्रिक निहितार्थ क्या-क्या हैं? इस पदयात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसके नाम और संदेश से जुड़ा है। 'लोकतंत्र बचाओ' और 'अराजकता हटाओ' दोनों ही ऐसे नारे हैं जिनके राजनीतिक और संवैधानिक अर्थ हैं। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा किसी एक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए कुछ बुनियादी शर्तें आवश्यक हैं- एक, चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता। दो, मतदाता के मतदान अधिकार की सुरक्षा। तीन, सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता। चार, विपक्ष को शांतिपूर्ण विरोध और आलोचना की स्वतंत्रता। पांच, राजनीतिक दलों द्वारा संवैधानिक मर्यादाओं का पालन। यदि इस अभियान के दौरान इन विषयों पर सार्थक चर्चा होती है, तो इसका महत्व केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा।

अंतिम सवाल यह है कि क्या भाजपा 2027 की चुनावी राजनीति का एजेंडा तय करने की कोशिश में है? तो जवाब होगा कि उत्तर प्रदेश की यह मेगा पदयात्रा भाजपा की तीन समानांतर कोशिशों को सामने लाती है- संगठन को सक्रिय रखना, विपक्ष के राजनीतिक आरोपों का जवाब देना और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने राजनीतिक विमर्श को स्थापित करना। इसके जवाब में विपक्ष के सामने भी अपनी बात तथ्यों और जनहित के मुद्दों के आधार पर रखने की चुनौती है।

हालांकि, लोकतंत्र की असली कसौटी यह नहीं है कि किस दल ने कितनी बड़ी पदयात्रा निकाली या किसने कितना बड़ा नारा दिया? असली कसौटी यह है कि नागरिकों के अधिकार कितने सुरक्षित हैं, संस्थाएं कितनी निष्पक्ष हैं, सरकार कितनी जवाबदेह है और राजनीतिक दल जनता के वास्तविक सवालों को कितना महत्व देते हैं? यही इस पूरे अभियान का सबसे बड़ा राजनीतिक और लोकतांत्रिक निहितार्थ है।

रोज की भागदौड़ छोड़िए और जाइए घूमने

अगर आप लंबे समय से घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन काम की वजह से समय नहीं मिल पा रहा है। तो आप इस वीकेंड घूमने का प्लान बना सकते हैं। ऐसे में आप वीकेंड पर न सिर्फ रिलैक्स कर सकते हैं, बल्कि आप अपने परिवार के साथ नई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वीकेंड ट्रिप पर घूमने के लिए यहां कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपनी फैमिली, दोस्तों और पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

मथुरा-वृंदावन

आप इस वीकेंड कान्हा की नगरी मथुरा-वृंदावन जा सकते हैं। आप मथुरा में कृष्ण कारागार और फिर अगले दिन वृंदावन और बरसाना घूम सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर प्रेम मंदिर, निधिवन, बांके बिहारी मंदिर और राधा रमण मंदिर घूमने जा सकते हैं।

अमृतसर

आप वीकेंड पर फैमिली के साथ जलियांवाला बाग घूमने जा सकते हैं। यहां पर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा 12 किमी दूर अमृतसर एयरपोर्ट है। वहीं अमृतसर जंक्शन रेलवे स्टेशन से करीब 2 किमी दूर जलियांवाला बाग है। जहां पर आप रिक्शा, ऑटो या फिर पैदल भी जा सकते हैं। जलियांवाला बाग से स्वर्ण मंदिर की दूरी 500 किमी है।

ऋषिकेश

उत्तराखंड का ऋषिकेश वीकेंड ट्रिप के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। यहां पर आपको आध्यात्मिक और एडवेंचर अनुभव का मेल मिलेगा। आप गंगा किनारे शांत माहौल में सुकून के पल बिता सकते हैं। इसके अलावा ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग और कैंपिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

उदयपुर

बता दें कि राजस्थान का उदयपुर खूबसूरत झीलों का शहर है। यह रोमांटिक और फैमिली ट्रिप के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। वैसे तो उदयपुर में कई घूमने वाली जगहे हैं, जैसे आप पिछोला झील, सिटी पैलेस, बागोर की हवेली और जगदीश मंदिर आदि एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही राजस्थान में यहां के लजीज व्यंजनों का स्वाद चख सकते हैं।





घुमक्कड़ लोग घूमने के इतने शौकीन होते हैं कि कई बार वे अकेले ही निकल जाते हैं। ऐसे में सोलो ट्रिप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अकेले यात्रा करना खुद के साथ समय बिताने, नए लोगों से मिलने और अनोखे अनुभवों का आनंद लेने का एक शानदार तरीका है। जब बाता आती है महिलाओं के लिए, अब भारत भर में कई ऐसे स्थान हैं जो सुंदर और सुरक्षित दोनों हैं। इन स्थानों पर महिलाएं जरुर जाएं।

भारत में सोलो ट्रिप के लिए बेहद शानदार जगहें

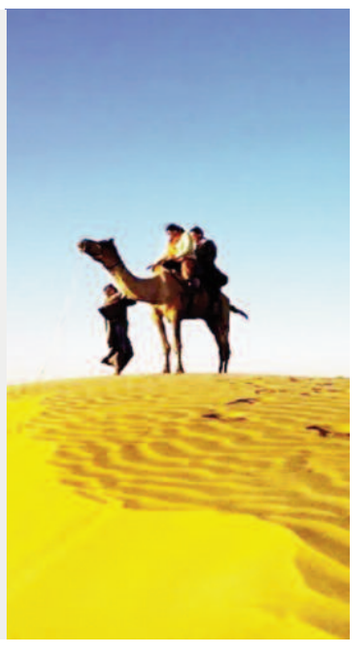
ऋषिकेश, उत्तराखंड



सोलो ट्रिप के लिए महिलाओं के लिए ऋषिकेश सबसे बेस्ट जगह है। अपनी आध्यात्मिकता, योग केंद्रों और गंगा आरती के लिए प्रसिद्ध है ऋषिकेश। यहां पर आपको शांत वातावरण के साथ-साथ रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग और ट्रैकिंग जैसी रोमांचक एडवेंचर एक्टिवी का आनंद भी ले सकते हैं। यहां रहने की व्यवस्था बजट-अनुकूल हॉस्टल से लेकर होटल तक उपलब्ध है। महिलाएं सुरक्षित रूप से गंगा के तटों की सैर कर सकती हैं और ध्यान व योग का आनंद ले सकती हैं।

जैसलमेर, राजस्थान

सोलो ट्रिप को खास बनाने के लिए आप राजस्थान के जैसलमेर में जरुर जाएं। गोल्डन सिटी जैसलमेर में रेगिस्तान देखना एक जादुई जगह जैसा लगता है। यहां पर आपको ऐतिहासिक किला, हवेलियां और थार रेगिस्तान में ऊंट सफ़ारी वाकई एक अनोखा अनुभव प्रदान करती हैं। स्थानीय संस्कृति, टेस्टी राजस्थानी व्यंजन और गर्मजोशी भरा आतिथ्य हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां पर कड़ी सुरक्षा देखने को मिलती है ऐसे में महिलाएं यहां पर आराम से अकेले भी घूम सकती हैं।



खूबसूरत मठ और आरामदायक कैफे यादगार सोलो ट्रिप का अनुभव प्रदान करेंगे। यहां पर आ ट्रेकिंग और प्रकृति की सैर कर सकते हैं। धर्मशाला के स्थानीय लोग मिलनसार और सुरक्षित वातावरण के कारण महिलाएं अंधेरे के बाद भी आजादी से घूम सकती हैं।

पुडुचेरी

अपनी फ्रांसीसी औपनिवेशिक वास्तुकला, समुद्र तटों और कलरफुल गलियों के लिए प्रसिद्ध है पुडुचेरी। सोलो ट्रिप करने वाली महिलाओं के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। यहां के कैफ़े, ऑरोविले आश्रम और योग केंद्र एक ताजा और आरामदायक अनुभव प्रदान करेगा। शांत और सुरक्षित वातावरण में, महिलाएं पूरी तरह से निश्चिंत होकर अपनी यात्रा का आनंद ले सकती हैं।

अलेप्पी, केरल

अगर आपको पानी के किनारे समय बिताना पसंद है, तो केरल का अलेप्पी आपके लिए एकदम सही जगह है। शांत बैकवाटर्स के किनारे हाउसबोट की सवारी और हरे-भरे नारियल के बागों के बीच एक सुकून भरा माहौल है। अकेले घूमने वाले लोग इस शांत वातावरण में सुकून के पल बिता सकते हैं और केरल के असली व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं। यहां का स्थानीय पर्यटन उद्योग महिलाओं की सुरक्षा पर बहुत जोर देता है।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

धर्मशाला और पास का मैक्लोडगंज माउंटेन लवर के लिए एकदम सही जगह है। यहां पर आपको तिब्बती संस्कृति,



मनाली के पास 100 किमी में छुपे ये 3 हिल स्टेशन, जहां मिलेगा अद्भुत सुकून और शांति



जब भी लोग पहाड़ी जगहों पर घूमने जाने का प्लान करते हैं, तो वह आसपास की सभी जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान करते हैं। कई बार लोग ऐसी लोकेशन के बारे में सर्च करते हैं, जो आपकी लोकेशन के पास भी हो और साथ ही खूबसूरत भी हो। वहीं अपने शहर से दूर घूमने गए लोग हमेशा पूरी प्लानिंग करने के बाद जाते हैं। क्योंकि लंबे ट्रिप पर निकले लोग आसपास की जगहों को भी एक्सप्लोर करते हैं। ऐसे में अगर आप भी मनाली के आसपास 100 किमी के अंदर अच्छी जगहें ढूंढ रहे हैं, जहां पर जाने में अधिक समय नहीं लगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली से 100 किमी की दूरी पर स्थित कुछ हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मणिकर्ण

बता दें कि मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 100 किमी के अंदर है। आप यहां पर 2ः30 से 03ः00 घंटे में पहुंच जाएंगे। मनाली घूमने गए लोगों को आसपास की जगहों को कवर करना चाहिए। इससे न तो ज्यादा खर्च आएगा और न ही आपको लोकेशन तक पहुंचने पर अधिक समय लगेगा। मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 79 किमी दूर है। आप मणिकर्ण पहुंचकर कसोल भी जा सकते हैं। कसोल और मणिकर्ण की बीच की दूरी करीब 20 मिनट की है।

कसोल

मनाली घूमने वाले लोगों को कसोल भी आना चाहिए। क्योंकि यह जगह मनाली से 100 किमी से भी कम दूरी पर स्थित है। अगर आपको ट्रैफिक नहीं मिलेगा, तो आपको यहां पहुंचने में करीब 2 घंटे का समय लगेगा। मनाली से कसोल की दूरी करीब 75 किमी है। बता दें कि कसोल और कसोली 2 अलग-अलग जगहें हैं। जिसमें कसोल ऊंचाई पर स्थित है और यह एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह अपनी सुकून और शांति के लिए जाना जाता है।

रोहतांग पास

मनाली के पास सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह रोहतांग पास है। मनाली घूमने जाने वाले लोग रोहतांग पास घूमने जरूर जाते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि मनाली से अधिक दूर नहीं है। इसलिए लोगों को यहां पर पहुंचने में ज्यादा परेशानी नहीं होती है। मनाली से रोहतांग पास की दूरी करीब 50 किमी है। आप यहां पर 2 घंटे में आसानी से पहुंच जाते हैं और यहां पहुंचने में अधिक खर्च नहीं आने वाला है। ऐसे में अगर आप भी मनाली घूमने जा रहे हैं, तो यहां आसपास मौजूद इन हिल स्टेशन को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

आ रही हैं सर्दियां... टॉप 5 डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं घूमने, ठंड के मौसम में चमक उठती हैं ये जगहें

अगर आपने अपने परिवार के साथ लंबे समय से कोई ट्रिप प्लान नहीं किया है, तो आप भारत की उन जगहों पर जा सकते हैं, जहां ठंड के मौसम में मजा दो गुना हो जाता है। यही नहीं ये जगह ज्यादा महंगी भी नहीं है।



फेस्टिव सीजन और ठंड दोनों ही आ रहे हैं, ऐसे में कई बच्चों को विंटर वेकेशन भी मिलेगी, तो घूमने का प्लान बनाया जा सकता है। आपको बता दें, भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जहां ठंड में घूमने का मजा कुछ और ही होता है। अगर आप भी लंबे समय से कहीं नहीं घूमें हैं, तो आज हम आपको कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप अपने परिवार के साथ एक प्यारा से ट्रिप कर सकते हैं। बजट के मामले में ये जगहें ज्यादा महंगी नहीं है। आइए जानते हैं, इन डेस्टिनेशन के बारे में।

शिमला, हिमाचल प्रदेश

शिमला एक फेमस हिल स्टेशन है जहां अक्टूबर महीने से ही सर्दी का अनुभव होना शुरू हो जाता है। इस समय के दौरान, टूरिस्ट शिमला के मॉल रोड पर इत्मीनान से सैर करने का आनंद ले सकते हैं, यही नहीं यहां के फेमस क्राइस्ट चर्च ; द स्केंडल पॉइंट घूम सकते हैं। सर्दियों के मौसम में शिमला आपको सफेद चादर से ढका हुआ मिलेगा। शिमला में घूमने की काफी जगहें हैं। कुफरी जाकर आप अपने परिवार से साथ कई विंटर एक्टिविटी में हिस्सा ले सकते हैं।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

दिल्ली, चंडीगढ़, को लोग सर्दी हो या गर्मी मनाली को हमेशा टॉप डेस्टिनेशन की लिस्ट में रखते हैं। सर्दियों में मनाली देखने लायक है। यहां की कड़कड़ाती ठंड और मॉल रोड की गर्मागर्म चाय के सामने हर सुकून फेल है।यहां आप हिडिम्बा मंदिर, वशिष्ठ कुण्ड,मणिकरण, रोहतांग पास, ओल्ड मनाली समेत कई टूरिस्ट पॉइंट देख सकते हैं। शॉपिंग के लिए भी ये जगह बेस्ट है। यहां ऊनी कपड़े, हस्तशिल्प, बर्तन, घर की सजावट की वस्तुएं खरीद सकते हैं। इसी के साथ यहां आप दोनों पैराग्लाइडिंग भी कर सकते हैं।

दार्जिलिंग, वेस्ट बंगाल

दार्जिलिंग एक ऐसा ट्रैवल डेस्टिनेशन है, जहां आपको किसी भी मौसम में जाओ ये जगह आपको कभी निराश नहीं करेगी, अगर आप सर्दियों के मौसम में जा रहे हैं, तो खिलती हुई धूप जब हरे-भरे चाय बागानों पर पड़ती है, तो नजारा देखने लायक होता है। यही नहीं, यहां पर आकर आप टॉय ट्रेन, टाइगर हिल्स, तासिया लूप, जापानी मंदिर और रॉक गार्डन जैसे प्लेस देख सकेंगे।इसी के साथ आप यहां सबसे बेस्ट सनराइज का मजा ले सकते हैं। बता दें, अगर आप बच्चों के साथ यहां ट्रैवल कर रहे हैं, तो जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग तक टॉय ट्रेन का सफर करवाना न भूलें। देशभर से टूरिस्ट टॉय ट्रेन का सफर का मजा लेने आते हैं।

औली, उत्तराखंड

उत्तराखंड में कई हिल स्टेशन है, वहीं टूरिस्ट औली हिल स्टेशन आना काफी पसंद करते हैं। बता दें, अक्टूबर- नवंबर में यहां बर्फबारी शुरू हो जाती है। स्नोफॉल एंजॉय करने के लिए ये जगह बेस्ट है। स्कीइंग और बर्फ से संबंधित एक्टिविटी के लिए औली जाना बेस्ट ऑप्शन रहेगा।

काजा

स्पीति घाटी में स्थित काजा एक ऐसा टूरिस्ट प्लेस है, जहां ज्यादातर टूरिस्ट सर्दियों में आना पसंद करते हैं। जैसे- जैसे यहां तापमान गिरता जाता है, पूरा काजा शहर बर्फ की खूबसूरत चादर से ढक जाता है। इसी के साथ यहां आकर आप मोनेस्ट्री और किब्बर जैसे प्राचीन मठों पर घूम सकते हैं।

अनिश्चितता के दौर में लार्जकैप पर बढ़ा भरोसा

विशेषज्ञ बोले, अगले 6-18 महीने बेहतर रिटर्न की उम्मीद

नई दिल्ली ।

साल 2026 में शेयर बाजार का रुख बदल गया है। अब तक बाजार की तेजी में आगे रहे मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों की रफ्तार धीमी पड़ गई है, जबकि अनिश्चितता के बीच निवेशक सुरक्षित ठिकाने के रूप में लार्जकैप शेयरों की ओर रुख कर रहे हैं। 11 सितंबर के बाद यह रुझान स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। आंकड़ों के अनुसार, 11 सितंबर से 2 नवंबर के बीच निफ्टी 50 में जहां 0.5 फीसदी की मामूली गिरावट आई, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 7 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 6.6 फीसदी लुढ़क गया। यह बदलाव दर्शाता है कि निवेशक अब मजबूत कारोबार, आसान तरलता और स्थिर कमाई वाली बड़ी कंपनियों को प्राथमिकता दे रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 6 से 18 महीनों में लार्जकैप शेयर जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। अमेरिका चुनाव, कंपनियों की कमाई और वैश्विक तनाव जैसी कई अनिश्चितताएं बाजार के सामने हैं। ऐसे माहौल में लार्जकैप शेयर निवेशकों को अधिक स्थिरता दे रहे हैं। मजबूत कारोबार, बैलेंस शीट और स्थिर कमाई वाली बड़ी कंपनियां आकर्षक बनी हुई हैं। एफआईआई की लगातार बिकवाली चुनौती रही है, पर वैश्विक भरोसा बढ़ने पर निफ्टी 50 कंपनियां, प्राइवेट बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता सबसे पहले लाभ उठा सकते हैं। निवेशक अब कम समय में ऊंचे रिटर्न से ज्यादा, बाजार के उतार-चढ़ाव का सामना करने की लार्जकैप की क्षमता को अहमियत दे रहे हैं।

यूपी सरकार दिवाली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को बांटेगी निःशुल्क गैस सिलेंडर

मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ, लाभार्थियों के खातों में पहुंची सब्सिडी

लखनऊ ।

दीपावली के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एक बड़ी सौगात दी है। राज्य में निःशुल्क गैस सिलेंडर वितरण प्रक्रिया का शुभारंभ हो गया है, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वच्छ ईंधन का सीधा लाभ मिलेगा। यह पहल लाखों परिवारों के लिए त्योहार को और भी रोशन करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में लखनऊ के लोकभवन से इस योजना का शुभारंभ किया। इसके तहत, उज्ज्वला योजना के प्रत्येक लाभार्थी के खाते में कुल 971 रुपये (राज्य सरकार से 653 रुपये और केंद्र सरकार से 318 रुपये) की सब्सिडी सीधे हस्तांतरित की जा रही है। यह सुविधा लाभार्थियों को साल में दो बार प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें ईंधन के खर्च से राहत मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना के तहत, जनपद एटा में भी जिलाधिकारी एम अरुन्मोली की अध्यक्षता में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक चेक वितरित करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की इस पहल की सराहना की, जो स्वच्छ ईंधन सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर है। जिला पूर्ति अधिकारी कमलेश गुप्ता के अनुसार, एटा में 1,74,934 उज्ज्वला लाभार्थियों को इस दीपावली पर लाभ मिल रहा है। सरकार की यह पहल स्वच्छ ईंधन उपलब्धता और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

घर बैठे मनाएं, जेप्टो और ब्लिं किट पर मिलेगा सारा सामान

नई दिल्ली ।

आस्था और लोकपर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, जो 15 नवंबर को मनाई जाएगी।

इस दौरान बाजारों में लगने वाली भारी भीड़ और खरीदारी की जद्दोजहद से बचने के लिए, जेप्टो और` ब्लिं किट जैसे ऑनलाइन क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत लेकर आए हैं।

अब आप घर बैठे ही छठ पूजा से जुड़ा लगभग सभी आवश्यक सामान आसानी से मंगवा सकते हैं।

इन प्लेटफॉर्म्स पर कपूर, देसी घी के दीये, रुई की बाती, अगरबत्ती, धूप, रोली, मौली और चावल जैसी पारंपरिक पूजा सामग्री आसानी से मिल रही है। इसके साथ ही, पूजा की थाली, लाल-पीले वस्त्र और ठेकुआ बनाने के लिए आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध है। व्रतियों के लिए विभिन्न प्रकार के ताजे फल जैसे केला, सेब, अमरूद और अनार भी घर बैठे मंगाए जा सकते हैं। इन क्रिक कॉमर्स सेवाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आपका सामान अक्सर मिनटों के भीतर ही घर तक पहुंच जाता है, जिससे समय की बचत होती है और बाजार जाने की परेशानी खत्म हो जाती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 383, निफ्टी 149 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुए। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान बीईएल, टाइटन, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर, टीसीएस, एचसीएल टेक, इन्फोसिस के शेयर गिरे। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 383.55 अंकों की बढ़त के साथ ही 77,301.40 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरो वाला , एनएसई निफ्टी 149.75 अंकों से उछलकर 23,960.60 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि शेष 9 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 36 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और बाकी की 14 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल सरकारी डिफेंस कंपनी बीईएल के शेयर आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। जबकिटीसीएस के शेयर आज सबसे ज्यादा टूटे।



सेंसेक्स के अन्य शेयरों में आज टाइटन, इंडिगो 2, बजाज फाइनेंस, आईटीसी , अडाणी पोर्ट्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में बदलाव नहीं आया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की धीमी शुरुआत हुई। सेंसेक्स 65 अंक टूटकर 76,853.11 के स्तर पर लगभग सपाट स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी 50 भी 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ 23742.25 के स्तर पर शुरु हुआ।

पीएनबी और केनरा बैंक ने बदली एफडी ब्याज दरें

- वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा विशेष लाभ

नई दिल्ली ।

यदि आप सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है।

देश के प्रमुख सरकारी बैंकों, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और केनरा बैंक ने हाल ही में अपनी एफडी ब्याज दरों में बदलाव की घोषणा की है, जिससे ग्राहकों को आकर्षक रिटर्न मिलने की उम्मीद है। केनरा बैंक ने 2 नवंबर से अपनी एफडी दरों में 15 बेसिस पॉइंट तक की बढ़ोतरी की है। बैंक की 555 दिन की स्पेशल एफडी पर आम ग्राहकों को अब 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। वहीं, 444 दिन की एफडी पर आम ग्राहकों को 6.65 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। तुलनात्मक रूप से, केनरा बैंक की दरें अधिक लुभावनी हैं। दूसरी ओर, पीएनबी ने 1 नवंबर से नई दरें लागू की हैं। बैंक की 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम ग्राहकों को अधिकतम 6.60 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.10 फीसदी ब्याज मिलेगा। 666 दिन की एफडी पर आम ग्राहकों के लिए 6.50 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7.00 फीसदी की दर निर्धारित की गई है। ये दरें 3 करोड़ रुपए से कम की घरेलू टर्म डिपॉजिट पर लागू हैं। स्पष्ट है कि वरिष्ठ नागरिकों को दोनों बैंकों में एफडी पर अतिरिक्त लाभ मिलेगा, जिससे उनके लिए यह निवेश और भी आकर्षक हो जाता है।

सेवा क्षेत्र में जोरदार बढ़ोतरी, 4 माह का उच्चतम स्तर

अक्टूबर में एचएसबीसी पीएमआई 55.2 से बढ़कर 55.8 पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में चार महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिला है। एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई सूचकांक सितंबर के 55.2 से बढ़कर 55.8 पर पहुंच गया, जो मांग में मजबूती और नए ऑर्डर की बंपर आवक को दर्शाता है। अच्छी खबर यह भी है कि लागत का दबाव कम हुआ है, जिससे कंपनियों और उपभोक्ताओं को राहत मिली है। सर्वेक्षण के अनुसार, 50 से ऊपर का अंक विस्तार का सूचक होता है। कंपनियों ने नए ग्राहकों, अनुकूल मांग परिस्थितियों और सफल विज्ञापन अभियानों के दम पर नए ऑर्डर में जोरदार वृद्धि दर्ज की। एचएसबीसी की एक अर्थशास्त्री ने पुष्टि की कि कुल मांग काफी मजबूत बनी रही, जिससे कारोबारी स्थितियों में सतर्कता के साथ सुधार हुआ। हालांकि, कुछ मोर्चों पर सतर्कता भी दिखी। कंपनियों ने भविष्य की संभावनाओं को लेकर आशावादी रहने के बावजूद चार महीने में सबसे कम कर्मचारियों की भर्ती की, जो रोजगार वृद्धि की धीमी रफ्तार को दर्शाता है। नए निर्यात ऑर्डर की वृद्धि लगभग चार साल में सबसे कमजोर रही। अच्छी बात यह है कि कच्चे माल और तैयार उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की रफ्तार धीमी हुई, जिससे महंगाई के दबाव में कुछ राहत मिली।

भारत में 2027 से विमान ईंधन में एसएएफ का उपयोग अनिवार्य होगा

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी की ड्राफ्ट एसएएफ पॉलिसी, 2026

नई दिल्ली ।

भारत सरकार हवाई यात्रा को पर्यावरणीय रूप से अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है। केंद्र सरकार ने ड्राफ्ट एसएएफ पॉलिसी, 2026 के तहत विमानों के ईंधन एटीएफ(एविएशन टर्बाइन फ्यूल) में एसएएफ (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है। इस नई नीति के लागू होने पर, जनवरी 2027 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम एक फीसदी का उपयोग करना होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य हवाई यात्रा से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित यह नीति अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए जनवरी 2027 से एक फीसदी एसएएफ के उपयोग को अनिवार्य करेगी और 2040 तक इस लक्ष्य को 20 फीसदी तक बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रदान करती है। एसएएफ पारंपरिक विमान ईंधन का एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है, जिसे फसल, जैविक कचरे और अन्य टिकाऊ स्रोतों से तैयार किया जाता है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य हवाई यात्रा के कार्बन पदचिह्न को कम करना है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि एसएएफ गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों पर खरा उतरे। ड्राफ्ट नीति में केवल एसएएफ मिश्रण के लक्ष्य ही नहीं, बल्कि इनके सख्त अनुपालन पर भी जोर दिया गया है। निर्धारित ब्लेंडिंग जरूरत को पूरा न करने वाली एयरलाइंस और तेल मार्केटिंग कंपनियों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, नीति में यह भी प्रस्तावित है कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइंस अपनी वार्षिक एटीएफ जरूरतों का कम से कम 90 फीसदी भारत के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों से पूरा करेंगी, जिसका लक्ष्य इकोनॉमिक टैंकरिंग को रोकना है। हवाई अड्डों को एसएएफ के भंडारण, रखरखाव और वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि एसएएफ के उपयोग से एयरलाइंस की ईंधन लागत पर असर पड़ सकता है, खासकर यदि एसएएफ पारंपरिक एटीएफ से महंगा होता है, तो हवाई टिकटों की कीमतों में वृद्धि संभव है। हालांकि, फिलहाल हवाई टिकटों के महंगा होने की कोई तत्काल संभावना नहीं जताई गई है। यह कदम भारत को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण अनुकूल हवाई यात्रा को बढ़ावा देने वाले देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा।



एस्सार पावर आंध्र में 4500 करोड़ से लगाएगा हाइब्रिड ऊर्जा प्लांट

निवेश, सौर, पवन और बैटरी स्टोरेज से मिलेगी विश्वसनीय ऊर्जा

नई दिल्ली ।

एस्सार पावर आंध्र प्रदेश में एक महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना में 4,500 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश करने जा रही है। कंपनी ने अपनी नवीकरणीय इकाई, एस्सार रिन्यूएबल्स लिमिटेड (ईआरएल) के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी लिमिटेड के साथ 300 मेगावाट की बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद यह परियोजना धरातल पर उतरेगी। यह निवेश एस्सार पावर के भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह अत्याधुनिक परियोजना सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) का उपयोग करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वसनीय और मांग के अनुरूप उपलब्ध कराई जा सकने वाली नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

यह समझौता नवीकरणीय, तापीय और गैस आधारित बिजली उत्पादन के क्षेत्रों में करीब पांच गीगावाट का विविध ऊर्जा कारोबार तैयार करने की एस्सार पावर की व्यापक रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एस्सार पावर के एक वे रिठ अे धिकारी ने कहा कि यह समझौता सौर, पवन और बैटरी भंडारण के क्षेत्रों में कंपनी के नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार को मजबूत करेगा। उन्होंने इसे भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने और बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार खड़ा करने की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने वाला कदम बताया।

यह परियोजना कंपनी के पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है, जो भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए तैयार एक टिकाऊ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सहायक होगी।

एमके सन्स फाइन ज्वेल्स का शेयर छह प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

एमके सन्स फाइन ज्वेल्स लिमिटेड के शेयरों ने बुधवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की।

कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 162 रुपये से करीब छह प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को लिस्टिंग पर ही फायदा हुआ। बीएसई पर शेयर 5.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 171.60 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की, जबकि एनएसई में यह 5.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 171 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

लिस्टिंग के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 924.86 करोड़ रुपये रहा। पिछले सप्ताह, कंपनी के 275 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन तक 5.09 गुना अभिदान मिला था। कंपनी इस आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग महाराष्ट्र में एक नया शोरूम खोलने, गुजरात में मौजूदा शोरूम के विस्तार, कुछ कर्जों का भुगतान करने और सामान्य कारोबारी उद्देश्यों के लिए करेगी। वर्ष 2012 में स्थापित एमके सन्स फाइन ज्वेल्स लिमिटेड आभूषणों के डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में एक जानी-मानी कंपनी है।

दिवाली पर महंगाई की मार,अमूल घी-बटर महंगा

1 किलो घी 50 और 500 ग्राम बटर 15 रुपए महंगा

नई दिल्ली ।

दिवाली नजदीक आते ही उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगा है। अमूल ने अपने घी और बटर की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी कर दी है, जिससे त्योहारों पर पकवान बनाने का बजट प्रभावित होगा। अमूल के नए दामों के अनुसार 1 किलो घी कार्टून अब 630 की जगह 680 रुपये में, यानी 50 रुपये महंगा मिलेगा। 500 ग्राम बटर पैक 310 से बढ़कर 325 रुपये का हो गया है। 500 ग्राम प्योर घी पाउच 345 रुपये में, जबकि 100 ग्राम बटर पैक 63 से 66 रुपये में मिलेगा। कंपनी के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गाय का घी 740 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। कीमतों में इस वृद्धि की मुख्य वजह घी की बढ़ती मांग और आपूर्ति में कमी है। त्योहारों पर सालभर की कुल घी खपत का करीब 45 प्रतिशत इस्तेमाल होता है। मिलावटी घी पर सख्ती के बाद ग्राहकों का रुझान ब्रांडेड घी की ओर बढ़ा, जिससे मांग और बढ़ी। गुजरात के अहमदाबाद व वडोदरा में अमूल घी, खासकर गाय के घी की उपलब्धता में भी कमी देखी जा रही है। सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में कमी के बाद मिली राहत अब इस नई बढ़ोतरी से खत्म हो गई है। ऐसे में दिवाली के लिए मिठाइयां और पकवान बनाने वालों की जेब पर यह बढ़ोतरी सीधा असर डालेगी।



आरबीआई ने सेवा निर्यात-आयात के नियमों में ढील दी, फ्रीलांसरों को राहत

छोटे ट्रांजेक्शन और डिजिटल सेवाओं के लिए ईडीएफ की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सर्विस एक्सपोर्ट और इंपोर्ट से जुड़े विदेशी मुद्रा नियमों में महत्वपूर्ण ढील दी है, जिससे विदेशी क्लाइंट्स से कमाई करने वाले फ्रीलांसरों, कंपनियों और आयातकों को बड़ी राहत मिली है। इन बदलावों का उद्देश्य छोटे ट्रांजेक्शन और सेवा भुगतानों की प्रक्रिया को सरल बनाना है, जिससे कागजी कार्रवाई और लगने वाले समय में कमी आएगी। नए नियमों के तहत भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति को अब विदेश में सेवा देने के बदले भुगतान मिलने पर अलग से एक्सपोर्ट` डिक्लेरेशन फार्म (ईडीएफ) जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल अपने बैंक को भुगतान खाते में जमा करने के लिए आवश्यक जानकारी देनी होगी। यह कदम विशेष रूप से डिजिटल सेवाओं और फ्रीलांसिंग के बढ़ते क्षेत्र को बढ़ावा देगा, जहां अक्सर छोटे भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त होते हैं। जो निर्यातक भारत में रहने वाले व्यक्ति नहीं हैं, उन्हें भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा। ऐसे निर्यातकों के लिए विदेश से आने वाली सर्विस पेमेंट 10 लाख रुपये तक होने पर सिर्फ बैंक को जरूरी जानकारी देनी होगी; इससे अधिक राशि पर पहले के डिक्लेरेशन की शर्तें ही लागू होंगी। आरबीआई ने सर्विस इंपोर्ट के मामले में भी रिपोर्टिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब बैंकों को इम्पोर्ट डाटा प्रोसे सिंग एंड मो निटे रिंग ` सिस्टम (आईडीपीएमएस) में सर्विस इंपोर्ट की जानकारी तभी दर्ज करनी होगी, जब सेवा खरीदने वाला भारत का निवासी न हो और इनवॉयस 10 लाख रुपये से अधिक हो। इन बदलावों से विदेशी व्यापार से जुड़े लेन-देन की प्रक्रिया में लगने वाले समय और कागजी कार्रवाई में कमी आएगी, जिससे भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर की भूमिका और उसकी सीमाएं

सीमित सलाह दे सकते हैं डिस्ट्रीब्यूटर, पूरी वित्तीय योजना के लिए पंजीकृत सलाहकार चुनें

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर और पूर्ण वित्तीय सलाहकार की भूमिकाओं को लेकर निवेशकों में अक्सर भ्रम रहता है। इसे दूर करने के लिए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने हाल ही में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका मकसद निवेशकों को सही जानकारी देना और उन्हें अपनी वित्तीय योजनाओं के लिए सही व्यक्ति चुनने में मदद करना है, खासकर सोशल मीडिया पर सलाह की बढ़ती भरमार के बीच। एक म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर का प्राथमिक काम निवेशकों को उनकी जरूरतों, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार उपयुक्त म्यूचुअल फंड स्कीम चुनने में मदद करना है। वह केवाईसी अपडेट करने और बैंक खाते बदलने जैसे प्रशासनिक कार्यों में भी सहायता कर सकता है। हालांकि,एएमएफआई ने स्पष्ट किया है`कि डिस्ट्रीब्यूटर की सलाह केवल म्यूचुअल फंड तक सीमित है, यह किसी निवेशक की पूरी वित्तीय योजना का हिस्सा नहीं है। व्यापक वित्तीय योजना (जिसमें घर खर्च, बच्चों की शिक्षा, बीमा और रिटायरमेंट जैसे कई पहलू शामिल हैं) के लिए आपको सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार से संपर्क करना जरूरी है। एएमएफआई ने सोशल मीडिया पर म्यूचुअल फंड से जुड़ी जानकारी देने वाले डिस्ट्रीब्यूटरों के लिए भी सख्त नियम बनाए हैं। वे बिना निवेशक की व्यक्तिगत जरूरत और जोखिम को समझे किसी खास स्कीम की सीधी सिफारिश नहीं कर सकते और न ही भविष्य के रिटर्न का अनुमान लगाकर दावा कर सकते हैं। साथ ही, उन्हें अपनी पहचान और एएमएफआई पंजीकरण नंबर (एआरएन) स्पष्ट रूप से बताना अनिवार्य है।



एससी ने राज्यों के अतिरिक्त बिक्री कर लगाने के अधिकार को बरकरार रखा

सात-न्यायाधीशों की पीठ ने 1974 के संविधान पीठ के फैसले को प्रभावी बताया

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि राज्यों के पास बिक्री कर के प्रतिशत के आधार पर अतिरिक्त बिक्री कर या अधिभार लगाने का अधिकार अब भी वैध है। न्यायालय ने 1974 के संविधान पीठ के फैसले को प्रभावी बताया और कहा कि जीएसटी लागू होने से करीब 27 साल पहले भेजे गए कानूनी सवाल पर अब निर्णय देना अनावश्यक है, क्योंकि यह अकादमिक हो चुका है। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि करीब 27 साल पुराने कानूनी सवाल पर अब निर्णय की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने इसका कारण बताते हुए कहा कि चुनौतीग्रस्त वैधानिक प्रावधानों में बदलाव और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के चलते यह सवाल अब अकादमिक हो चुका है व इसका कोई व्यावहारिक महत्व नहीं रहा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि एस. कोदार बनाम केरल राज्य (1974) मामले में पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला अब भी प्रभावी है। उस फैसले में अधिभार को बिक्री कर की दर में वृद्धि माना गया था, जो संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-2 की प्रविष्टि 54 (वस्तुओं की बिक्री या खरीद पर कर) के तहत आता है, न कि आय पर कर (सूची-1 की प्रविष्टि 82) के तहत। यह संदर्भ ओडिशा बिक्री कर अधिनियम, 1947 की धारा 5ए को चुनौती दिए जाने से उठा था।

किंग कोहली की ऐतिहासिक उपलब्धि

वनडे में एक और बड़े रिकॉर्ड पर किया कब्जा



ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली अपने बल्ले के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने में कामयाब रहे हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क के भारत और न्यूजीलैंड की टीम के बीच में पहला मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें कीवी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 185 रनों का स्कोर बनाकर सिमट गई जिसके बाद टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में एक के स्कोर पर रोहित शर्मा आउट हो गए, जिसके बाद नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे विराट कोहली ने अपनी पारी का 12वां रन पूरा करने के साथ नंबर-3 की पोजीशन पर 13000 रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले वनडे में पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

कोहली ने फील्डिंग में भी दिखाया था कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड वनडे मैच में विराट कोहली का फील्डिंग में शानदार अंदाज देखने को मिला जब उन्होंने नेथन स्मिथ का अंशुल कंबोज की गेंद पर दूसरी स्लिप पर शानदार कैच पकड़ा था। इस कैच को पकड़ने के बाद जहां कोहली भी काफी जोश में नजर आए तो टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिली थी।

वनडे में नंबर-3 की पोजीशन पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

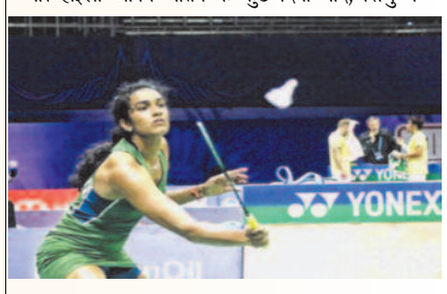
विराट कोहली (भारत) - 13005 रन*
रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 12662 रन
कुमार संगकारा (श्रीलंका) - 9747 रन
जैक कैलिस (साउथ अफ्रीका) - 7774 रन
केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) - 6504 रन.

कोहली ने सचिन के बाद ऐसा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

विराट कोहली वनडे क्रिकेट इतिहास में किसी एक बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए सचिन तेंदुलकर के बाद पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो 13000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। कोहली ने वनडे फॉर्मेट में नंबर-3 की पोजीशन पर अब तक 254 मैचों की 251 पारियों में बल्लेबाजी की है जिसमें वह 61 के औसत से 13000 से अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। वहीं वनडे में कोहली के अलावा रिकी पोंटिंग सिर्फ दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो नंबर-3 की पोजीशन पर 10000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके हैं। विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में अभी कई और कीर्तिमान अपने नाम करने का शानदार मौका रहने वाला है।

'मैं अब युवा नहीं रही, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिया ब्रेक': पीवी सिंधु

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिंधु इस टूर्नामेंट के लिए ही ब्रेक लिया था। जापान ओपन सुपर 750 और जर्मनी में हाइलो ओपन में जीत हासिल करने के बाद पीवी सिंधु का आत्मविश्वास बढ़ा है। 2022 के बाद यह पहला सीजन है जिसमें सिंधु ने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने सारब्रुकेन में टूर्नामेंट से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था, लेकिन वह दुनिया की नंबर 1 और पेरिस 2024 चैंपियन कोरिया की एन से-यंग से हार गई थीं। हाइलो ओपन जीतने के कुछ दिनों बाद, सिंधु ने



कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनका शुरुआती प्लान सभी टूर्नामेंट खेलने का था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने शरीर की सुनने और दिसंबर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए आराम करने और फिट होने का फैसला किया। बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मीडिया बातचीत के दौरानएक सवाल पर सिंधु ने कहा, 'लंबा टूर खेलने के बाद, मैंने सोचा था कि मैं कोरिया ओपन और उसके बाद के टूर्नामेंट नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन मेरे लिए वापस आकर आराम करना भी जरूरी था। मेरे लिए अपने शरीर का ध्यान रखना और अगले टूर्नामेंट के लिए फिट होना जरूरी था। यही प्लान था। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह फैसला लेना जरूरी था कि मैं नहीं खेलूंगी। मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है और कोर्ट पर फिर से मजबूती से वापस आना है।' सिंधु ने कहा, 'मैं अब जवान नहीं रही, लेकिन मैंने यह भी कहा कि 31 अब नया 21 है, इसलिए मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है।'

नया 3म15 स्कोरिंग सिस्टम 4 जनवरी, 2027 से लागू होगा। सिंधु ने यह भी बताया कि क्या यह गेम को बदल देगा और क्या उनका गेम नए पॉइंट सिस्टम के हिसाब से सही होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को शुरू से ही चौकन्ना रहने और आसान पॉइंट न गंवाने के लिए अलर्ट रहने की जरूरत है। सिंधु ने कहा, '15 पॉइंट्स ऐसी चीज है जिस पर हर किसी को जरूर काम करना चाहिए, और हम इतने सालों से 21 पॉइंट्स पर खेल रहे हैं। इसलिए, हमने यह पक्का किया कि हम उस स्कोरिंग के लिए भी ट्रेनिंग और अभ्यास करें। हर किसी के लिए यह अलग होगा, इसलिए शुरू से ही अलर्ट रहना भी जरूरी है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह जरूरी है कि आप शुरू से ही अलर्ट रहें। यह भी जरूरी है कि जब तक आपको पता चले कि आधा गेम खत्म हो गया है, तब तक आप कोई और आसान पॉइंट न दे सकें।

बर्थडे स्पेशल: विराट कोहली के 38वें जन्मदिन पर जानें उनके शरीर पर बने 13 'टैटू' का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आज 38 साल के हो जाएंगे। क्रिकेट विराट के जीवन का पहला प्यार है। इस खेल में खुद को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ कड़ी मेहनत की है और ये सिलसिला अब भी जारी है। क्रिकेट के अलावा विराट को टैटू बेहद पसंद है।

विराट कोहली टैटू के बहुत बड़े फैन हैं। इसका सबूत उनके शरीर पर बने टैटू की संख्या देती है। विराट ने अपने पूरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में 13 टैटू बनाए हैं जिनका अलग-अलग अर्थ है।

1. विराट ने अपने बाएं ट्राइसेप 'ओम का निशान' बनवाया है। ये टैटू आध्यात्मिकता और उस यूनिवर्सल आवाज को दिखाता है जो ब्रह्मांड में हमेशा एक जैसी रहती है।
2. कोहली ने अपने बाएं कंधे पर एक मॉनेस्ट्री की तस्वीर बनवाई है। मठ एक इमारत या इमारतों का ग्रुप होता है जहां एक धार्मिक समुदाय, ज्यादातर साधु समाज से दूर रहते हुए साधना करते हैं।
3. पूर्व कप्तान की राशि स्कॉर्पियो है। इस वजह से दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से में उन्होंने स्कॉर्पियो का निशान बनवाया है। स्कॉर्पियो राशि वाले बहुत ज्यादा पैशन, इंटेंसिटी और समर्पण दिखाने के लिए जाने जाते हैं। कोहली में ये सारी खूबियां दिखती हैं।
4. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर 269 का टैटू बनवाया है। यह उनका टेस्ट कैप नंबर है।
5. विराट का वनडे कैप नंबर 175 है। उन्होंने अपने बाएं हाथ पर इस नंबर का भी टैटू बनवाया है।
6. 'किंग' के नाम से मशहूर कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पिता प्रेम कोहली और माता सरोज कोहली के नाम का टैटू बनवाया है।
7. कोहली के बाएं ऊपरी हाथ पर एक खास जापानी समुराई टैटू है, जो पारंपरिक बुशिडो कोड ऑफ डिसिप्लिन और ऑनर से प्रेरित है। विराट खुद ताकत, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की मिसाल हैं, ये गुण समुराई टैटू डिजाइन से जुड़े हैं।
8. विराट के बाएं कंधे पर जापानी समुराई टैटू के ठीक ऊपर एक दिव्य आंख का टैटू भी है। 'गॉड्स आई' टैटू उनके इस विश्वास को दिखाता है कि उनके हर काम पर नजर रखी जा रही है। इससे वह अपने फैसलों के लिए जिम्मेदार रहते हैं।
9. पियोनी टैटू विराट कोहली के बाएं कंधे पर बने आर्टवर्क का हिस्सा है। इस फूल का एशिया में, खासकर चीनी परंपरा में, बहुत गहरा सांस्कृतिक महत्व है, जहां इसे अक्सर धन, खुशहाली, सम्मान और ऊंचे सामाजिक स्तर से जोड़ा जाता है।
10. विराट के दाएं फोरआर्म पर मेटाट्रॉन क्यूब, एक क्यूबिक पैटर्न और आध्यात्मिक सिंबल का एक रूप है।
11. कोहली के बाएं हाथ पर कैलाश पर्वत पर ध्यान करते हुए भगवान शिव की एक तस्वीर है। उसके बैकग्राउंड में मानसरोवर झील है। टैटू विराट के आध्यात्मिक जुड़ाव को दिखाता है।
12. आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पूरी आस्तीन का 'लोटस' टैटू बनवाया था। यह उनकी जीवन यात्रा को प्रदर्शित करता है।
13. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर एक नया टैटू बनवाया है। इसमें एक गोल डिजाइन है जो एक बीच के पॉइंट से निकलती हुई कई घुमावदार लाइनों से बना है। इसमें पानी में एक बूंद गिरने के बाद पानी की सतह पर लहर जैसा प्रभाव दिखता है। यह डिजाइन दिखाता है कि कैसे एक छोटी सी घटना या किसी व्यक्ति के काम बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं।

विराट का जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 18 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

टेस्ट और टी20 संन्यास ले चुके विराट का अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 में भारत को चैंपियन बनाना है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को हो रहे पहले वनडे से पहले विराट ने अपने करियर में 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक की बदौलत 15,109 रन बनाए हैं। वहीं, 123 टेस्ट में 30 शतक की बदौलत 9,230 रन और 125 टी20 में 1 शतक और 38 अर्धशतक की बदौलत उनके नाम 4,188 रन दर्ज हैं।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी; अर्शदीप की घातक गेंदबाजी



ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमट गई। हालांकि, टारगेट रिवाइज किया गया और भारत को 32 ओवर में 143 रन बनाने थे। भारत ने यह लक्ष्य 22.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत पांच विकेट से जीता

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमटी थी - टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। भारत को न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इतना परेशान नहीं किया, जितना परेशन 11वें नंबर पर आए ब्लेयर टिकनर ने किया। न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई। टिकनर 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेलकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें गुरनूर बराड़ ने विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 43 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन, डेरिल मिचेल 41 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 51 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। विल यंग नौ रन, हेनरी निकोल्स नौ रन, टॉम लाथम तीन रन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार रन, नाथन स्मिथ एक रन और काइल जेमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट मिले। अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

भारत ने 22.4 ओवर में हासिल किया लक्ष्य - जवाब में भारत की शुरुआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। इस बीच मैच को दो बार बारिश के कारण रोकना पड़ा। पहली बार 10.5 ओवर के बाद मैच रोका गया। हालांकि, बारिश रुकी और मैच 40 ओवर का कर दिया गया। संशोधित लक्ष्य 167 रन का किया गया। हालांकि, कुछ गेंदों के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश जब रुकी तो एक बार फिर लक्ष्य को संशोधित किया गया।

आईपीएल 2027:

13 करोड़ के सनराइजर्स के इस ऑलराउंडर को शामिल करने की तैयारी में चेन्नई?



चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के 13 करोड़ रुपये के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन पर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन सनराइजर्स ने अभी फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की ट्रेड रेस में पंजाब किंग्स आगे बताई जा रही है। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की ट्रेडिंग को लेकर हलचल तेज हो गई है। हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चाओं के बीच अब चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई की टीम इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के विकल्प तलाश रही है। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद ने अभी तक इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स लियाम लिविंगस्टोन को अपनी टीम में शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उत्तर भारत की एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी इस खिलाड़ी में दिलचस्पी दिखाई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले हुई नीलामी में लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पूरे सीजन में केवल दो मुकाबले खेले और 15 रन बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें बाकी सीजन में प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर के विकल्प में भी जगह नहीं मिली।

आईसीसी रैंकिंग: टेस्ट में स्टार्क फिर बने नंबर-1, टी20 में अय्यर 7वें पायदान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया है। बुधवार को जारी ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। केप टाउन में तीन मुकाबलों की सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में नौ विकेट लेने के बाद, स्टार्क एक स्थान ऊपर चढ़कर साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 881 की अपनी करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और नंबर 1 की पोजीशन वापस पा ली। इससे पहले अगस्त में, भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर स्टार्क पहली बार रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। हालांकि, गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद जानसेन टॉप पर आ गए थे। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी केवल तीन विकेट ही ले सके, जिसका फायदा उठाते हुए स्टार्क फिर से टॉप पर पहुंच गए।

साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को भी इस ताजा रैंकिंग अपडेट से काफी फायदा हुआ। न्यूलैंड्स में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए, जिससे उनकी टीम को जीत और सीरीज अपने नाम करने में मदद मिली। इस प्रदर्शन के दम पर यह ऑफ-स्पिनर नौ स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। अब वह अपने साथी खिलाड़ी कगिसो रबाडा से एक स्थान आगे हैं।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप स्थान गंवाने के बावजूद, जानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ



रेटिंग हासिल की। ??इस सूची में वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि हार्मर तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एडेन मार्करम एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि मुल्डर सात स्थान की बढ़त के साथ 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों में रयान रिकेल्टन ने सबसे बड़ी छलांग लगाई है; वह 25 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं और उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी ने भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। वे क्रमशः तीन और दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर आ गए हैं। मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत के बाद, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स 12 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों जोमेल वारिकन और रोस्टन चेस ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। वारिकन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रोस्टन चेस ऑलराउंडरों की सूची में संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, पाकिस्तान में खेली गई ट्राई-सीरीज के समापन के बाद, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। अफरीदी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि रऊफ पांच स्थान की बढ़त के साथ 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तानी ओपनर फखर जमां वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट एक स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर पहुंचे, जबकि श्रीलंका के पवन रत्नायके ने 20 स्थानों की शानदार छलांग लगाई है और वे 16वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 रैंकिंग में, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सीरीज जीत के बाद श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी सूची में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी 13 स्थान ऊपर चढ़कर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 24वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 गेंदबाजों में, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी जैकब डफी ने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई है और वे 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी अपनी स्थिति बेहतर की है। यूएई में जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का प्रदर्शन करने के बाद, वे टी20 ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगे। शुभांक-2-4-5

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। शुभांक-5-7-9

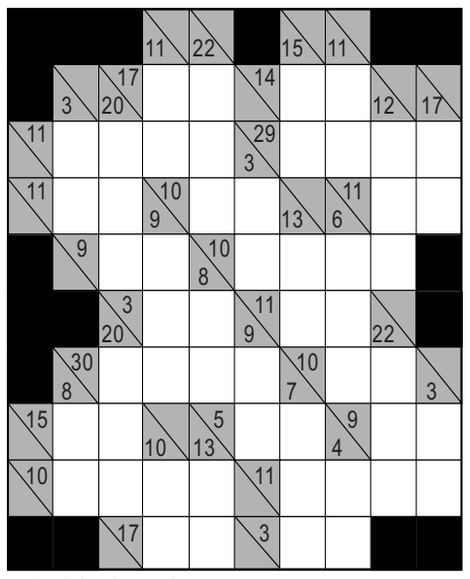
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

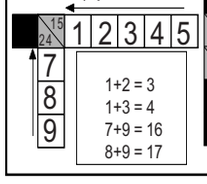
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 4060

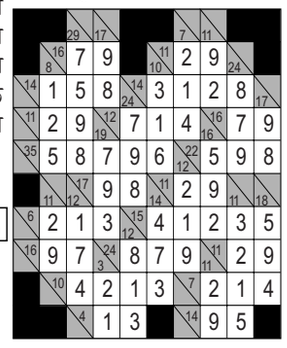


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4059 का हल



लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा- पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

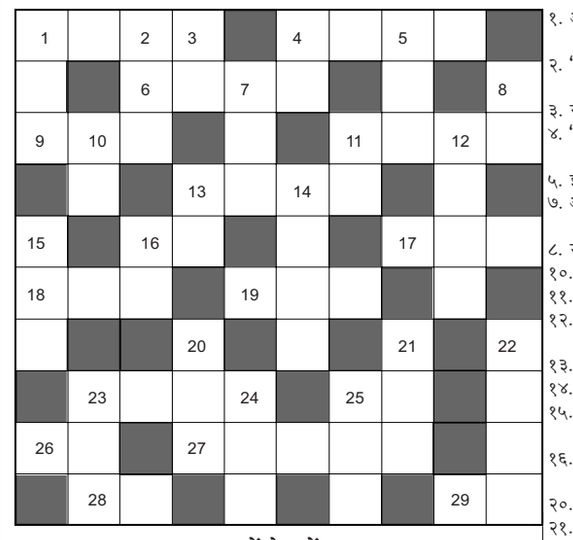
पापा- बेवकूफ, क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4060



बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, खवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4059

को	ह	रा		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	मां			सा	या
	रा		आ		त्मा		सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	रा	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	रा		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

सूडोकु -4060

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4059 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 4060



बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.ज्ञानेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -4059 का हल

	ल	ज्ज	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		वा	र
न		क	रा	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
ब		चा		अ	ट	ल			रा	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	मी			र	न	र		इ		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रू	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	



महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है

सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचजीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरुकता का अभाव।

भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, स्त्री रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर व्हाइट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वेजाइना से बदबूदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो चिंता का विषय है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन थैली तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बरतें ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेफ्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए वेक्सीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सीन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

स्त्रीरोग संबंधी आम बीमारियां दवा लेने से भी दूर नहीं हो रही है तो सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी हो जाती है। यह जांच है पैप स्मीयर टेस्ट। नेशनल इंस्टिट्यूट बायो-टेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कैंसर का पता लगाने के लिए पैप स्मीयर टेस्ट या पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। महज 10 से 20 मिनट में होने वाले इस टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य, अस्पष्ट या असामान्य आ सकती है।

सामान्य: यदि पैप टेस्ट का परिणाम सामान्य आता है तो रिपोर्ट को 'निगेटिव' बताया जाता है। इसका मतलब है कि टेस्ट में कैंसर के कोई लक्षण नहीं है।

अस्पष्ट: टेस्ट रिजल्ट अस्पष्ट भी आ सकते हैं। रिजल्ट अस्पष्ट आने का मतलब है कि आपकी ग्रीवा कोशिकाएं ऐसी दिखती हैं जैसे वे असामान्य हो सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह एचपीवी से संबंधित है या नहीं। यह गर्भावस्था, रजोनिवृत्ति या संक्रमण जैसे बदलावों से संबंधित हो सकता है। एचपीवी टेस्ट यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि क्या आपके सेल में परिवर्तन एचपीवी से संबंधित हैं।

असामान्य: यदि पैप टेस्ट असामान्य है तो 'पॉजिटिव रिजल्ट' कहा जाता है। रिजल्ट पॉजिटिव आने का यह मतलब नहीं है कि आपको कैंसर ही है। इसका मतलब यह है कि गर्भ में कुछ असामान्य कोशिकाएं है जो आगे चलकर कैंसर के रूप में विकसित हो सकती है। गर्भाशय ग्रीवा पर असामान्य परिवर्तन एचपीवी द्वारा हो सकता है। परिवर्तन मामूली (कम-ग्रेड) या गंभीर (उच्च-ग्रेड) हो सकते हैं। लेकिन यदि उन कोशिकाओं को हटाया नहीं जाता है तो ये गंभीर बदलाव कैंसर में बदल सकती हैं।

पैप टेस्ट की रिपोर्ट के बाद कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य जांचें भी करवाते हैं। कोल्पोस्कोपी के जरिए योनिमार्ग और बच्चेदानी के मुख में होने वाले परिवर्तन या बदलाव की जांच एक यंत्र द्वारा की जाती है। बायोप्सी में बच्चेदानी के मुख से छोटा-सा टुकड़ा लिया जाता है और लैब में कैंसर के परिवर्तन देखे जाते है। यह प्रक्रिया बाह्य रोगी विभाग में ही सम्पन्न की जाती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



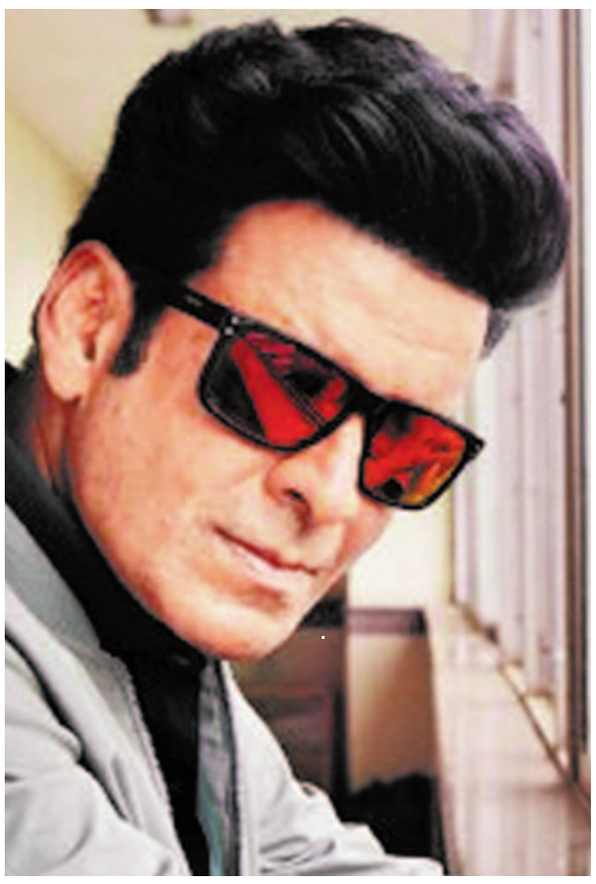
Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



फिल्म इंडस्ट्री कोई परिवार नहीं, ये भ्रम है

मनोज बाजपेयी इन दिनों बॉलीवुड से कुछ ज्यादा ही नाराज चल रहे हैं। चार बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुके मनोज की पिछली दो फिल्में 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गर्वनर' बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इस फिल्म को भी बहुत अच्छे रिव्यूज नहीं मिले हैं। इस बीच 57 साल के एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री को 'एक बड़ा परिवार' मानने वाली आम धारणा को चुनौती दी है। 'गजब रात' के प्रमोशन के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा कि 'यह इंडस्ट्री बकवास है' और यहां किसी को किसी की कोई कद्र नहीं है।

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'अगर आप मुझे एक उदाहरण मानना चाहें, तो मैं एक उदाहरण हूं। मैं फिल्म इंडस्ट्री से हूं, फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं इसका हिस्सा हूं। जरूरी नहीं कि आप बांद्रा से ही हों। आप मलाड में रहकर भी एक्टिंग कर सकते हैं। अहम बात यह है कि आप जो भी करें, वह अच्छा हो। बाकी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। असल में कोई 'परिवार' या 'बिरादरी' जैसी चीज नहीं होती। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि यह इंडस्ट्री एक परिवार है। यह किसी परिवार की तरह नहीं है। सबके ऑफिस अलग-अलग हैं, कोई किसी के साथ पार्टी नहीं करता और अगर किसी को किसी की फिल्म पसंद आ जाए, तो भी कोई फोन करके तारीफ नहीं करता।'

मनोज बाजपेयी ने दो टूक कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी एक्टर किसी दूसरे की सफलता देखकर खुश नहीं होता। कोई भी डायरेक्टर खुद को दूसरे निर्देशक से कम नहीं समझता। कोई भी प्रोडक्शन हाउस किसी दूसरे प्रोडक्शन हाउस को ज्यादा पैसे कमाते देखकर खुश नहीं होता। इसलिए, इन सब बातों को अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए।

साल 2024 में ओटीटी पर रिलीज 'गुलमोहर' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाने वाले मनोज बाजपेयी कहते हैं, 'आप अकेले आए हैं और जब आप जाएंगे, तब भी अकेले ही जाएंगे। वैसे, इस तरह की सलाह देने के लिए मैं शायद सही इंसान नहीं हूं। मैं आपको पहले ही यह डिस्क्लेमर दे देता हूं, क्योंकि मैं किसी को भी इस तरह से नहीं मानता। मैं अपना काम करता हूं, अपने पैसे लेता हूं और घर वापस आ जाता हूं।'

राज एंड डीके की सीरीज 'द फैमिली मैन' फेम एक्टर ने आगे काम के प्रति अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। कहा कि अनुशासन लोगों को उनके करियर में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहने में मदद करता है। लेकिन साथ ही कहते हैं, 'ऐसे कई अभिनेता हैं जो अनुशासित नहीं हैं, फिर भी उनकी तारीफ होती है और वे अच्छा पैसा भी कमाते हैं। मैं किसी और की बात नहीं कर रहा हूं। मैं अपनी बात कर रहा हूं, मुझे अनुशासित रहना पसंद है।



अब सेट पर बात नहीं करते एक्टर्स, सब वैनिटी वैन और फोन में बिजी

जब मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा क्या नापसंद है, तो उन्होंने सेट पर होने वाले असमान व्यवहार का जिक्र किया। पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि उस जमाने में एक्टर्स शूटिंग के बीच एक-दूसरे के साथ समय बिताते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया और वैनिटी वैन में रहते हैं। वह कहते हैं, 'मैं बहुत परेशान रहने वाला इंसान हूं। कई चीजों को लेकर मेरे मन में काफी उलझनें और बेचैनी रहती है। पहली बात, हर सेट पर बराबरी होनी चाहिए। सबको एक जैसा खाना मिलना चाहिए। दूसरी बात, कलाकारों को एक-दूसरे के साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए। पहले के समय में, कलाकार साथ बैठकर बातें करते थे। अगर उनका शेड्यूल इजाजत देता, तो वे शाम को भी मिलते थे, खूब गपशप करते थे और मजे करते थे। लेकिन अब, हर कलाकार अपनी वैन में चला जाता है और बस सोशल मीडिया पर लगा रहता है।'



ऑस्कर की रेस में भारतीय फिल्म का साथ देंगी प्रियंका चोपड़ा, 'वी वर हीअर' का थामा हाथ

फिल्ममेकर प्रणव भसीन की फिल्म 'वी वर हीअर' को अब ऑस्कर की दौड़ के लिए तैयार किया जा रहा है। उनकी मदद के लिए अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाथ आगे बढ़ाया है।

प्रियंका चोपड़ा का फिल्म से क्या है कनेक्शन

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय सिनेमा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही हैं। प्रणव भसीन के निर्देशन और लेखन में बनी शॉर्ट फिल्म 'वी वर हीअर' को अब तक 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है। फिल्म से जुड़ने को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक प्रेस नोट में कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय को नए और मजेदार अंदाज में पेश करती है, जो आज के समय में काफी प्रासंगिक है। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर इससे जुड़ने का मौका मिलते ही मैंने हां कर दी। मैं इस क्रिएटिव टीम का साथ देना चाहती हूं, ताकि उनकी शानदार और अनोखी सोच को वह पहचान मिल सके जिसकी वह हकदार है।'

20 से ज्यादा अवॉर्ड जीत चुकी है फिल्म

'वी वर हीअर' ने अपने फेस्टिवल सफर में कई बड़े अवॉर्ड जीते हैं। फिल्म को साउथ बाय साउथवेस्ट फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस अवॉर्ड फॉर बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट और रेडब्रेस्ट अनहिडन अवॉर्ड मिला। इसके अलावा पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में फिल्म ने 15 मिनट से कम की बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट का अवॉर्ड जीता। वहीं, क्लेरमॉन्ट-फेरांड इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में इसे कैनाल प्लस प्राइज मिला था। इसी फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर भी हुआ था। पाम स्प्रिंग्स में मिले अवॉर्ड की वजह से ही फिल्म ऑस्कर के लिए क्वालिफाई कर पाई।





रामायण में सीता बनने के लिए साई पल्लवी ने लिया मेडिटेशन का सहारा

अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'रामायण' में मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने जैसा नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। साई पल्लवी ने बताया कि इस सम्मानित किरदार को पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतारने के लिए उन्होंने मेडिटेशन का सहारा लिया। उनका मानना है कि यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव नहीं होगी बल्कि इतिहास का हिस्सा बनेगी, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी देखेंगी। साई पल्लवी हाल ही में लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंचीं। यहां उन्होंने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान सीता मां का किरदार निभाने की अपनी तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को लेकर उनके मन में काफी सम्मान और जिम्मेदारी का भाव था। वह चाहती थीं कि इस किरदार को निभाते समय किसी तरह की बाधा न आए और वह इसे पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतार सकें।

साई ने कहा, ''इस किरदार के लिए मैंने सिर्फ प्रार्थना की। मैंने भगवान से यही मांगा कि इसे निभाने के दौरान मेरे सामने जितनी भी मुश्किलें आएं, वे दूर हो जाएं। हम जो फिल्म बना रहे हैं, वह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि इतिहास का हिस्सा भी बनेगी। आने वाली पीढ़ियां और भविष्य के लोग भी इसे देखेंगे। उस समय हममें से कोई यहां नहीं होगा लेकिन फिल्म रहेगी। इसलिए उस किरदार में गरिमा होनी चाहिए। इसी वजह से मैं इस भूमिका के लिए सिर्फ प्रार्थना कर रही थी।'' अभिनेत्री ने बताया कि सीता मां का किरदार निभाते हुए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। इससे उन्हें अपने विचारों को शांत रखने और मुश्किल परिस्थितियों में खुद को संभालने में मदद मिली।



साई ने कहा, ''असल में मेडिटेशन न करने पर मेरे मन में और ज्यादा विचार आने लगते हैं। इसलिए सीता मां का किरदार निभाते समय भी मैं ज्यादातर मेडिटेशन करती थी। इस भूमिका से मैंने सीखा कि जब भी आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों, तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सिर्फ देखना और समझना चाहिए। जब भी मेरे सामने कोई मुश्किल या तनावपूर्ण स्थिति आती थी, तो मैं सोचती थी कि सीता मां ऐसी परिस्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देतीं। मुझे लगता है कि उनके किरदार से मैंने यही सबसे बड़ी बात सीखी है।''

गौरतलब है कि फिल्म 'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे जबकि रवि दुबे भगवान लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, साई पल्लवी मां सीता की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। फिल्म 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है।



रोमांटिक कॉमेडी 'पारिवारिक मनोरंजन' में पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि को-स्टार पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना उनके मजेदार अनुभवों में से एक रहा। अभिनेत्री का कहना है कि पंकज त्रिपाठी का सहज ह्यूमर सीन को हल्का और मजेदार बनाने में मदद करता है। अदिति राव हैदरी ने कहा, 'पंकज जी के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करना सच में बहुत खुशी की बात थी। उनका ह्यूमर इतना सहज और नेचुरल है कि हर सीन हल्का और ज्यादा मजेदार लगने लगा।' अभिनेत्री इस फिल्म में 'हेलेन' नाम का किरदार निभा रही हैं, जो एक प्रॉपर्टी मैनेजर और हाउसकीपर के रूप में रंजन के घर आती हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें हमारे दर्शकों को रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा देखने को मिलेगा। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे हमारे दर्शक चाहने वालों के साथ देखना पसंद करेंगे। मुझे इस किरदार के साथ काम करने में बहुत मजा आया है। उसकी खूबियों को और वो अपने आसपास के लोगों से कैसे जुड़ती है, ये सब खोजने में।' वहीं, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म को लेकर कहा, 'मुझे इस फिल्म में इसकी सादगी, किरदारों का असल जिंदगी से जुड़ा होना और ह्यूमर के छोटे-छोटे पल बहुत पसंद आए, जो फैमिली स्टोरीज को खास बनाते हैं। इसमें परिवार की गर्मजोशी है, थोड़ा रोमांस है और वो मजा है जो इसे त्योहारों में देखने के लिए परफेक्ट बनाता है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं चाहता हूं कि दर्शक भी अपने चाहने वालों के साथ इस फिल्म को एन्जॉय करें।' यह फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा का तड़का है। फिल्म का मकसद त्योहारों के मौके पर दर्शकों को एक हल्की-फुल्की फिल्म देना है, जिसे वे अपने परिवार के साथ एन्जॉय कर सकें।



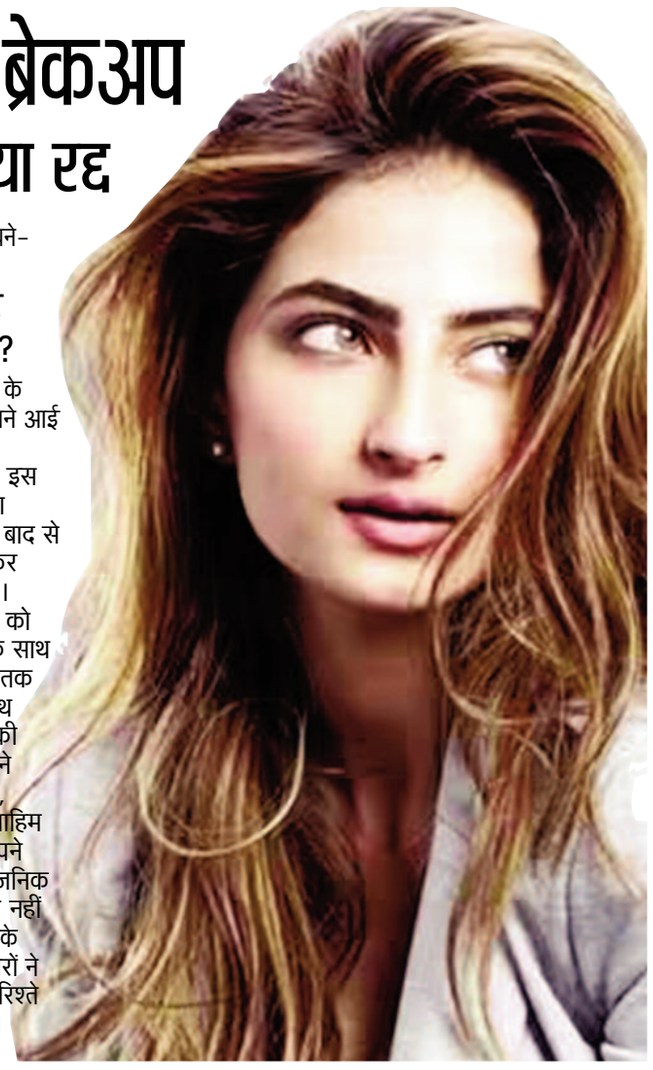
क्या पलक-इब्राहिम का हुआ ब्रेकअप साथ करने वाले थे शूट, फिर किया रद्द

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान अक्सर एक-दूसरे के साथ स्पॉट किए गए हैं। खबरों के मुताबिक दोनों 3 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। लेकिन अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला इब्राहिम की तरफ से लिया गया। इतना ही नहीं, दोनों के साथ होने वाले कुछ शूट भी या तो रद्द कर दिए गए हैं या फिलहाल रोक दिए गए हैं। हालांकि, अभी तक पलक और इब्राहिम में से किसी ने भी इस खबर पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि दोनों के अलग होने की असली वजह के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। हालांकि, उनका ब्रेकअप आपसी सहमति से हुआ है। दोनों इस मामले को सार्वजनिक नहीं करना चाहते हैं। फिलहाल पलक और इब्राहिम अपना पूरा ध्यान अपने-अपने करियर पर लगाना चाहते हैं।

कैसे शुरू हुई थी पलक और इब्राहिम के अफेयर की चर्चा?

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान के अफेयर की खबरें साल 2022 में सामने आई थीं। दोनों को पहली बार मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर साथ देखा गया था। इस दौरान पलक पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती नजर आई थीं। इसके बाद से ही दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। समय के साथ दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया। यहां तक कि दोनों के साथ छुट्टियां मनाने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, पलक और इब्राहिम ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया। अब दोनों के अलग होने की खबरों ने एक बार फिर उनके रिश्ते को चर्चा में ला दिया है।





संक्षिप्त समाचार

वेनेजुएला में चुनाव तैयारियों पर जोर, रुबियो को कमान

वेनेजुएला , एजेंसी। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने सोमवार को अपने वेनेजुएला के समकक्ष ओलिवर ब्लैंको से मुलाकात की। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला में चुनाव तैयारियों में तेजी लाने पर जोर दे रहा है। अगले साल चुनाव संभव हैं। दो सप्ताह पहले ही वेनेजुएला ने 2027 में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए एक योजना पर सहमति दी थी। रुबियो ने कहा कि ट्रंप प्रशासन इस प्रक्रिया का बारीकी से पालन करेगा। इसका लक्ष्य एक स्थायी चुनाव प्रणाली स्थापित करना है। यह बैठक ट्रंप प्रशासन और कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात थी। रोड्रिगेज ने जनवरी में अमेरिकी सैन्य अभियान में निकोलस मादुरो को हटाए जाने के बाद पद संभाला था। मादुरो पर मादक पदार्थ तस्करी के आरोप हैं, जिन्हें वह नकारते हैं।

नकाबपोश हमलावरों ने किसान पर जानलेवा हमला किया, पांच गिरफ्तार

डरबन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के उत्तर पश्चिमी प्रांत में हिंसक डकैती के संबंध में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में 50 वर्षीय किसान डोनावान मार्क्स को गोली मारी गई और उनके कान काट दिए गए थे। ये संदिग्ध 26 से 56 वर्ष के हैं और मंगलवार को आरोपियों को वेंटर्सडॉर्प मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया जाएगा। उन पर घर में डकैती, हत्या का प्रयास और अवैध हथियार व गोला-बारूद रखने के आरोप हैं। पुलिस ने पहले दो, फिर रविवार को तीन और संदिग्धों को पोटचेफस्ट्रूम के पास पकड़ा। अधिकारियों ने चार हथियार, कपड़े व आभूषण जब्त किए। हमला 28 अक्तूबर को साइफरफोंटेन के एक खेत पर हुआ। तीन नकाबपोश हमलावरों ने किसान को गोली मारी, चाकू से हमला किया, तीन हथियार चुराए और उसके पिकअप वाहन में भाग गए। किसान अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हुआ था और अब ठीक हो रहा है। मोरल रीजेनरेशन मूवमेंट ने कहा कि किसानों पर हमले खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। इंस्टीट्यूट फॉर सिक्योरिटी स्टडीज के शोध से पता चला है कि डकैती मुख्य मकसद है, न कि श्वेत किसानों के खिलाफ 'श्वेत नरसंहार' जैसा कोई संगठित अभियान।

वोटिंग से कुछ घंटे पहले अमेरिका का ईरान पर हमला :केश्म द्वीप पर 5 धमाके



तेहरान, एजेंसी। अमेरिका में मंगलवार को मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। इससे पहले सोमवार को ईरान के केश्म द्वीप पर कम से कम पांच जोरदार धमाके हुए। कुछ दूर पर बंदर लेंगेह शहर में भी विस्फोट की खबर है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अधिकारियों के हवाले से दावा किया है कि यह हमला अमेरिका ने किया है। हालांकि, ईरानी मीडिया ने इसके पीछे अमेरिका या इजराइल का हाथ होने की पुष्टि नहीं की है। उसने अमेरिका के दो एमक्यूएम-170 जासूसी ड्रोन मार गिराने का दावा किया है। केश्म द्वीप करीब 1,445 वर्ग किलोमीटर में फैला, ईरान का सबसे बड़ा द्वीप है। यह कभी फ्री-ट्रेड जोन और टूरिस्ट स्पॉट के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह एक बड़े सैन्य ठिकाने में बदल चुका है। होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश द्वार पर मौजूद यह द्वीप रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। अमेरिका इसे कई वजहों से बड़ा सैन्य खतरा मानता है। अंडरग्राउंड सैन्य नेटवर्क: रिपोर्ट्स के मुताबिक, केश्म द्वीप के नीचे सुरंगों और नमक की गुफाओं का बड़ा नेटवर्क है। यहां ईरान ने तटीय मिसाइल सिस्टम और तेज हमला करने वाली नौकाएं छिपाकर रखी हैं। समुद्री रास्तों पर नियंत्रण के लिए अहम: द्वीप के अंदर ईरान ने ऐसे सैन्य ठिकाने बनाए हैं, जिनका मकसद समुद्री रास्तों पर नियंत्रण रखना है। माना जाता है कि यहां से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही रोकी या सीमित की जा सकती है।

एफबीआई ने उत्तर कोरिया पर लगाया क्रिप्टो चोरी का आरोप, भड़की किम जोंग उन की बहन, बताया 'राजनीतिक साजिश'

सोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की उस जांच के नतीजों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज 'बायनैंस' से हुई भारी क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए प्योंगयांग को जिम्मेदार ठहराया गया था। उत्तर कोरिया ने इसे अपने खिलाफ राजनीतिक साजिश और भड़काऊ कृत्य करार दिया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने यह टिप्पणी की है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के शनिवार के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि 'बायनैंस' के जरिए 6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी चोरी के लिए उत्तर कोरियाई शासन जिम्मेदार है। एफबीआई ने इस चोरी का संबंध उत्तर कोरिया के एक हैकिंग समूह से जोड़ा है, जिसे वे 'ट्रेडर ट्रेटर' कहते हैं। इस नाम का संबंध पहले भी क्रिप्टोकरेंसी की अन्य चोरियों से जोड़ा जा चुका है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' में प्रकाशित एक बयान में किम ने कहा, 'उत्तर कोरिया (डीपीआरके) को एक 'साइबर अपराधी देश' के रूप में एफबीआई पेश करने की कोशिश कर रही है। उनका दावा है कि उन्हें ऐसी जानकारी मिली है कि इस



घटना में उत्तर कोरिया 'समर्थित' एक हैकिंग संगठन शामिल था।' डीपीआरके, उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया' का संक्षिप्त रूप है। बयान में कहा गया, 'यह उत्तर कोरिया के खिलाफ एक गंभीर राजनीतिक साजिश है। अमेरिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबको गुमराह कर रहा है, मानो दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले सभी साइबर अपराध हमारे ही किए धरे हों।'

उत्तर कोरिया पर पहले भी साइबर चोरी के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन उसने हमेशा इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। किम का किसी हैकिंग घटना पर बयान जारी करना काफी दुर्लभ है। किम ने वाशिंगटन के आरोपों को उत्तर कोरिया की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने, उसकी गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को कम करने की एक 'दुर्भावनापूर्ण' कोशिश बताया। साथ ही, उन्होंने इसे साइबर स्पेस में उत्तर कोरिया की संप्रभुता का एक और गंभीर उल्लंघन करार दिया।

आरोप को वापस वाशिंगटन की ओर मोड़ते हुए उन्होंने कहा, 'पिछले साल जब अमेरिका के मौजूदा प्रशासन ने सत्ता संभाली, तो उसने घोषणा की थी कि वह अवैध रूप से चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी को जब्त कर लेगा और उसे देश के रणनीतिक भंडार के रूप में इस्तेमाल करेगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई यह देखे कि 'तथाकथित चुराई गई क्रिप्टोकरेंसी' बरामद होने के बाद किसके पास जाएगी, तो 'उसे इस बात का सुराग मिल सकता है कि इस हैकिंग घटना के पीछे कौन है। 'उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया, वाशिंगटन द्वारा लगातार किए जा रहे उकसावे की हरकतों पर 'करीबी नजर' रख रहा है। किम ने चेतावनी देते हुए कहा, 'अमेरिका के इस बेहद गैरजिम्मेदाराना और शत्रुतापूर्ण रवैये को देखते हुए, हमें कई पहलुओं पर फिर से विचार करने की जरूरत है।' दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर कोरिया पर लगे साइबर हैकिंग के आरोपों पर किम का यह पहला बयान है।

अधिकारी ने कहा, 'ऐसा लगता है कि उत्तर कोरिया इस मामले को गंभीरता से ले रहा है, क्योंकि बायनैंस हैकिंग की घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके नतीजे सामने आ रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने किम के जरिए अपनी प्रतिक्रिया दी है।' अतीत में ऐसे मामलों पर, उत्तर कोरिया आमतौर पर अपने विदेश मंत्रालय के जरिए बयान जारी करके जवाब देता था। अधिकारी ने आगे कहा कि प्योंगयांग अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को लेकर चिंतित है, क्योंकि वह खुद को एक 'सामान्य देश' के रूप में पेश करना चाहता है।

इस बयान को एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका मकसद उत्तर कोरिया की साइबर गतिविधियों को एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनने से रोकना है। साथ ही, इसके जरिए अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश की गई है कि वह उस नीति को छोड़ दे, जिसे प्योंगयांग अपने खिलाफ एक 'शत्रुतापूर्ण नीति' मानता है।

मंत्रालय के लिए यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि इस हैकिंग घटना का उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाली संभावित शिखर वार्ता पर क्या असर पड़ेगा। शिखर वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए ट्रंप की बार-बार की गई पहलों पर उत्तर कोरिया की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

इस माह भारत आ सकते हैं नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह इस महीने के आखिर में नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। इससे पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी का नेपाल दौरा बालेंद्र शाह की तैयारी के लिहाज से अहम होगा।

नेपाल और भारत ने सोमवार को एक साथ घोषणा की कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी 4 और 5 नवंबर को काठमांडू का दौरा करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय और भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी अलग-अलग बयानों में कहा गया कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान विक्रम मिस्री नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों पक्ष नेपाल-भारत संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत किया जा सके। मंत्रालय के अनुसार, विक्रम मिसरी नेपाल के वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों से भी शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी। मंत्रालय ने कहा, 'भारत और नेपाल के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनमें सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विदेश सचिव की यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्चस्तरीय संवाद की परंपरा को आगे बढ़ाएगी और व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने में मदद करेगी। सूत्रों के मुताबिक, इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शाह की प्रस्तावित नई दिल्ली यात्रा के संभावित एजेंडे पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि नेपाल चाहता है कि प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा ठोस परिणाम लेकर आए और उन मुद्दों पर प्रगति हो, जिनमें उसे भारत के सहयोग की जरूरत है। नेपाल अगस्त में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत से एक बड़े सहायता पैकेज की मांग कर सकता है। इसके अलावा नेपाल सीमा विवाद के समाधान, व्यापार संधि में संशोधन और भारत के रास्ते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए अतिरिक्त हवाई प्रवेश बिंदुओं (एयर एंट्री प्वाइंट्स) जैसी मांगों पर भी प्रगति चाहता है। अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के सहयोग से जुड़े कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया जा सकता है। बताया गया है कि नई दिल्ली ने पहले मई के दूसरे सप्ताह में विक्रम मिस्री को काठमांडू भेजने की योजना बनाई थी, ताकि प्रधानमंत्री शाह के नेतृत्व में बनी नई सरकार के साथ बातचीत की जा सके।

यूक्रेन में रूस का कहर: राहत केंद्र और शेल्टर पर बरसाए बम, 26 लोगों की मौत; फैली परमाणु हमले की अफवाह

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में एक बार फिर आम नागरिकों को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। रूस ने सोमवार को दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र के कोमिशुवाखा गांव में राहत सामग्री बांटने वाले केंद्र और उसके पास बने शेल्टर को निशाना बनाया। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने इस इलाके पर 10 गाइडेड बम गिराए। उनके मुताबिक, जिस स्कूल की इमारत में लोगों को मानवीय सहायता दी जा रही थी, वह भी हमले की चपेट में आ गई।

रूस को शांति नहीं, और खूनखराबा चाहिए : राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमले की जानकारी देते हुए रूस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह हमला साफ दिखाता है कि रूस तनाव कम करने के मूड में नहीं है। जेलेंस्की के मुताबिक, एक समय ऐसा था जब दोनों देशों के बीच शांति की दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद दिखाई दे रही थी, लेकिन इस हमले ने उन उम्मीदों को झटका दिया है।

सीजफायर खत्म होते ही फिर तेज हुए हमले : यह हमला ऐसे समय हुआ, जब यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन इलाके में लागू सीमित युद्धविराम सोमवार को खत्म हो गया। इस समझौते के तहत रूस और यूक्रेन ने अग्रिम मोर्चे के उन इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित निकालने की अनुमति दी थी, जहां हालात बेहद खराब हैं। इन इलाकों में रूसी कब्जे वाले क्षेत्र भी शामिल थे। इसके अलावा सोमवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस की ओर से कई ड्रोन हमले किए जाने की भी जानकारी दी।

साइबर हमले के बाद लोगों के मोबाइल पर आए फर्जी अलर्ट : युद्ध के बीच रविवार देर रात यूक्रेन और सोमवार सुबह रूस में एक और परेशानी सामने आई। दोनों देशों के सरकारी इमरजेंसी अलर्ट ऐप हैक कर लिए गए। इसके बाद लोगों के मोबाइल पर फर्जी चेतावनी संदेश भेजे गए। यूक्रेन में लोगों को परमाणु हमले, रेडिएशन का स्तर बढ़ने और रासायनिक खतरे जैसी चेतावनियां मिलीं।

फ्लोरिडा विमान हादसा: को-पायलट ने बॉयफ्रेंड को भेजा था क्या आखिरी संदेश? 17 साल की उम्र में मिला पायलट लाइसेंस

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में हुए भीषण विमान हादसे से पहले 20 वर्षीय महिला को-पायलट नथालिया गडेल्हा फिल्गुएरास ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से मदद की गुहार लगाई थी। हादसे से पहले की रेडियो रिकॉर्डिंग में उनकी आवाज सुनी जा सकती है। वह बार-बार 'मे डे, मे डे' कहकर मदद मांग रही थीं। छोटा लीयरजेट विमान टेक्सास के ऑस्टिन से बहामास जा रहा था। इसी दौरान दक्षिण फ्लोरिडा में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल से बातचीत में फिल्गुएरास ने बताया कि विमान पर बर्फ जम रही है। उस समय बाहर का तापमान माइनस 47 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने विमान में मध्यम स्तर के झटके आने की भी जानकारी दी। इन झटकों के कारण विमान करीब 700 फीट तक ऊपर-नीचे हो रहा





था। कुछ ही देर बाद उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'मे डे, मे डे!' इसके बाद उन्होंने बताया, 'हम 10,000 फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे जा रहे हैं!' उन्होंने आगे कहा, 'हम ओवरस्पीड की स्थिति में हैं और 20,000 फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं... हम जमीन से टकराने वाले हैं।' बाद में एडीएस-बी एक्सचेंज के फ्लाइट डेटा से पता चला कि हादसे से पहले लीयरजेट 60 विमान एक मिनट में 27,000 फीट नीचे गिर गया था। 20 साल की उम्र में कमर्शियल पायलट बनी थीं फिल्गुएरास स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फिल्गुएरास ने 2023 में पायलट का लाइसेंस हासिल किया था। उस समय उनकी उम्र 17 साल थी और वह वेस्ट बोका रैटन कम्युनिटी हाई स्कूल में सीनियर छात्रा थीं। ब्राजील मूल के परिवार से ताल्लुक रखने वाली फिल्गुएरास का परिवार फ्लोरिडा में रहता है। पायलट लाइसेंस मिलने के बाद वह स्थानीय मीडिया में भी चर्चा में आई थीं, क्योंकि उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस मिलने से पहले ही निजी विमान उड़ाने का लाइसेंस हासिल कर लिया था। उनकी मां के मुताबिक, फिल्गुएरास पिछले नौ महीने से कमर्शियल पायलट के तौर पर काम कर रही थीं। उनकी मां कैमिला गडेल्हा कोर्टेलेटी ने सीएनएन ब्राजील से कहा, 'वह बहुत अच्छी लड़की थी। जिम्मेदार और मेहनती थी... वह को-पायलट थी और कोई फैसला लेने की स्थिति में नहीं थी।'

हादसे से पहले बॉयफ्रेंड को भेजा था क्या संदेश : फिल्गुएरास के पायलट लाइसेंस में जेट विमान उड़ाने की योग्यता दर्ज थी, लेकिन उन्हें उड़ान की कमान संभालने की अनुमति नहीं थी। उनके सौतेले पिता 44 वर्षीय थियागो कोर्टेलेटी ने द न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि फिल्गुएरास को विमान उड़ाने का 1,300 घंटे का अनुभव था। उनके मुताबिक, हादसे से महज 10 मिनट पहले 20 वर्षीय फिल्गुएरास ने अपने बॉयफ्रेंड जस्टिन को मैसेज किया था। कोर्टेलेटी ने बताया, 'उसने बस इतना कहा था।

अगर डेमोक्रेट्स जीते तो मैं बन जाऊंगा 'मिस्टर वीटो' : ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर मध्यावधि चुनावों (मिडटर्म इलेक्शन) में डेमोक्रेट्स कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं, तो वह भविष्य में उनकी ओर से लाए गए किसी भी कानून को वीटो (अधिकार का इस्तेमाल कर रोकना) कर देंगे। सोमवार को जारी 'न्यूयॉर्क पोस्ट' के पॉडकास्ट 'पॉड फोर्स वन' में मिरांडा डिवाइन को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। लेकिन अगर हम नहीं जीते, तो मैं हर चीज को वीटो कर दूंगा। मैं बस वीटो ही करता रहूंगा।' रविवार को प्रसारित एक प्रीव्यू क्लिप में ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं 'मिस्टर वीटो' बन जाऊंगा।' उन्होंने कहा कि एक-दो महीने तक लगातार वीटो करने के बाद, डेमोक्रेट्स 'खुद चलकर आएंगे और



एक समझौता करेंगे। तीसरे कार्यकाल के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'अगर मुझे मौका मिलता, तो मैं फिर से चुनाव लड़ना पसंद करता, लेकिन संविधान की भाषा बहुत सख्त है। मैं जरूर लड़ना चाहता। हाल ही में एक पोल हुआ था जिसमें मैं बाकी सभी से काफी आगे था। मैं चुनाव लड़ना पसंद करता, लेकिन कोई बात नहीं।' अमेरिकी संविधान का 22वां संशोधन कहता है कि कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं चुना जा सकता। 80 वर्षीय ट्रंप ने 2016 और 2024 में राष्ट्रपति पद जीता था। उन्होंने कहा, 'हमारे पास अभी दो साल से ज्यादा का समय बचा है। यह काफी लंबा समय होता है। इतने समय में बहुत कुछ किया जा सकता है, और आपने देखा ही है कि हमने अब तक क्या काम किया है।

ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर डेमोक्रेट्स कांग्रेस जीतने के बाद उनके लिए काम करने वाले लोगों के खिलाफ जांच शुरू करते हैं, तो वह उन लोगों को पहले से ही 'माफी' (पार्डन) देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत पड़ी, तो मैं बिल्कुल ऐसा करूंगा... मुझे इसके बारे में सोचने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं बस कर दूंगा। मैंने जे6 (6 जनवरी की घटना) के मामले में भी ऐसा ही किया था। उन्होंने उन पोल (सर्वे) को खारिज कर दिया जिनमें डेमोक्रेट्स को आगे दिखाया गया है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि इन पोल्स में धांधली हुई है। मुझे तो लगता है कि कई पोल करने वाली एजेंसियां तो लोगों को सर्वे के लिए बाहर भेजती ही नहीं हैं। हो सकता है कि वे रिपब्लिकनों के बीच पोल न करते हों, लेकिन मुझे लगता है कि हम काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मैं रैलियों के आधार पर ऐसा कह रहा हूं।' ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर डेमोक्रेट्स हाउस, सीनेट और बाद में व्हाइट हाउस जीत जाते हैं, तो 'हमारा देश खत्म हो जाएगा। ज्यादातर पब्लिक पोल में हाउस जीतने के मामले में डेमोक्रेट्स का पलड़ा भारी दिख रहा है। रविवार को जारी न्यू यॉर्क टाइम्स/सिएना के अंतिम पोल के अनुसार, कंसास, ओहियो, मेन, टेक्सास और मिशिगन में डेमोक्रेटिक सीनेट उम्मीदवार 5 से 11 अंकों से आगे चल रहे हैं।

मेक्सिको: स्कूलों में बच्चे नहीं इस्तेमाल कर सकेंगे फोन, सरकार ने लगाया प्रतिबंध

मेक्सिको सिटी , एजेंसी। मेक्सिको में अब स्कूलों में पढ़ाई के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू होने जा रहा है। सरकार का कहना है कि इस फैसले का मकसद बच्चों और किशोरों को मोबाइल की लत, तनाव और पढ़ाई के दौरान ध्यान भटकने जैसी समस्याओं से बचाना है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में माता-पिता इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी चिंता बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। मेक्सिको के कई इलाकों में संगठित अपराध और गोलीबारी की घटनाएं होती रहती हैं। ऐसे में माता-पिता का कहना है कि अगर बच्चों के पास मोबाइल नहीं होगा तो किसी आपात स्थिति में वे उनसे संपर्क कैसे कर पाएंगे। सरकार ने स्कूलों में मोबाइल के इस्तेमाल पर रोक लगाई है, लेकिन इस फैसले ने बच्चों की पढ़ाई और उनकी सुरक्षा के बीच बहस छेड़ दी है। यह प्रतिबंध राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम की सरकार की पहल का हिस्सा है। इसके तहत प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में पूरे स्कूल समय के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, कुछ खास परिस्थितियों में छूट दी गई है। छात्र शिक्षक के निर्देश पर पढ़ाई से जुड़े काम के लिए मोबाइल इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके अलावा निजी आपात स्थिति, दिव्यांगता और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में भी फोन के इस्तेमाल की अनुमति होगी। छात्र स्कूल आने-जाने के दौरान अपने साथ मोबाइल रख सकते हैं। यानी प्रतिबंध का मुख्य उद्देश्य स्कूल के अंदर पढ़ाई



के समय मोबाइल के इस्तेमाल को रोकना है। सरकार का मानना है कि इससे बच्चों का डिजिटल उपकरणों पर निर्भर रहना कम होगा और वे पढ़ाई पर बेहतर ध्यान दे सकेंगे।

सरकार ने मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने का फैसला क्यों किया : मेक्सिको सरकार का कहना है कि बच्चों और किशोरों में डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल से कई तरह की परेशानियां सामने आ रही हैं। इनमें मोबाइल की लत, ध्यान की कमी, तनाव और बेचैनी जैसी समस्याएं शामिल हैं। देश के शिक्षा मंत्री मारियो डेलगाडो ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि राष्ट्रपति शीनबाम की सरकार का उद्देश्य बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म की लत और उससे पैदा होने वाली परेशानियों से बचाना है।

सरकार इसी महीने डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए नए नियम भी लागू करने की तैयारी कर रही है। इन नियमों के तहत प्लेटफॉर्म को नफरत फैलाने वाली पोस्ट, दुर्व्यवहार, यौन हिंसा, उत्पीड़न, साइबर बुलिंग और अन्य गैरकानूनी सामग्री हटानी होगी। सरकार का मानना है कि बच्चों को डिजिटल दुनिया के नुकसान से बचाने के लिए स्कूलों में मोबाइल पर नियंत्रण जरूरी है।

यूके में स्थायी निवास नियम: गृह मंत्रालय के फैसले से भारतीयों को लाभ, केयर वर्कर पर शबाना महमूद का रुख क्या?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में स्थायी निवास से जुड़े नियम पर सरकार ने अहम फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के नए फैसले से भारतीयों को लाभ होगा। केयर वर्कर से जुड़े इस नियम को लेकर गृह मंत्री शबाना महमूद अपने सख्त रुख से पीछे हटी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार विदेशी केयर वर्कर के लिए स्थायी निवास की प्रतीक्षा अवधि को तीन गुना करने के अपने पहले के सख्त रुख से पीछे हट गई। इस कदम से हेल्थ एंड सोशल केयर वीजा मार्ग का उपयोग करने वाले कई भारतीयों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। एक साल तक चले सार्वजनिक परामर्श के बाद, महमूद ने संसद को बताया कि वह एक 'निष्पक्ष समझौते' पर पहुंची हैं। इसके तहत कोविड महामारी के बाद देश की सेवा करने वाले केयर वर्कर को पांच साल में स्थायी निवास की अनुमति दी जाएगी।

कितने भारतीय लोगों को वीजा विस्तार का लाभ मिला: सोमवार को गृह कार्यालय ने इस साल के नवीनतम आंकड़े जारी किए। इसके अनुसार, दिसंबर 2025 को समाप्त हुए वर्ष में हेल्थ एंड सोशल केयर श्रेणी के तहत 1,04,555 वीजा विस्तार पाने वाले श्रमिकों में भारतीय सबसे आगे हैं। इनमें से अधिकांश अब अपनी अनिश्चितकालीन निवास अनुमति (आईएलआर) के लिए मूल रूप से निर्धारित पांच साल की समय-सीमा के भीतर पात्र



होंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने एक बयान में कहा कि लोग एक ऐसी आव्रजन प्रणाली देखना चाहते हैं जो नियंत्रण, योगदान और नियमों का पालन करने वालों को पुरस्कृत करने पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि ये प्रस्ताव इसी सिद्धांत पर आधारित हैं और हमारे देश में विदेशी श्रमिकों के योगदान को मान्यता देते हैं। आव्रजन नियमों में क्या बदलाव हुए हैं बर्नहैम ने कहा कि ब्रेग्जिट के बाद पिछली सरकार ने आव्रजन पर नियंत्रण खो दिया था, जिससे संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। उन्होंने गृह सचिव के इस समस्या को संभालने के प्रयासों का पूरा समर्थन किया। उन्होंने दोहराया कि यह 'केवल निष्पक्ष' है कि देश में सबसे मूल्यवान योगदान देने वाले प्रवासियों को जल्दी स्थायी निवास का अवसर दिया जाए। अन्य भूमिकाओं में काम करने वालों को अधिक समय तक इंतजार करना होगा। जो लोग प्रणाली का दुरुपयोग करते हैं या अवैध रूप से आते हैं, उन्हें अस्वीकार कर दिया जाएगा या उन्हें भी अधिक समय तक इंतजार करना होगा। गृह कार्यालय ने पुष्टि की है कि कोविड-19 महामारी से जूझ रहे ब्रिटेन में केयर वर्कर के योगदान को देखते हुए, जो लोग अपने वीजा की शर्तों को पूरा करते हैं और सालाना कम से कम 25,000 पाउंड कमाते हैं, वे पांच साल के बाद स्थायी निवास कर सकेंगे। भारतीयों को कैसे मिलेगा लाभ और कौन जल्दी स्थायी निवास कर पाएगा? शबाना महमूद के माता-पिता ने कश्मीर से ब्रिटेन प्रवास किया था। उन्होंने अपने परिवार के अनुभव का उल्लेख किया। उन्होंने 'अर्जित स्थायी निवास' प्रवास योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया। इन योजनाओं में अधिक आय वालों को स्थायी निवास के लिए तेज मार्ग से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि केयर वर्कर वीजा मार्ग का भी 'दुरुपयोग' किया गया था। बेईमान और शोषणकारी कंपनियां ऐसे श्रमिकों को प्रायोजित कर रही थीं, जिनके लिए वास्तव में कोई नौकरी मौजूद नहीं थी। जो लोग पांच साल के स्थायी निवास के लिए योग्य नहीं हैं, जो कुल संख्या का लगभग एक चौथाई है, उन्हें एक नए पांच साल के वीजा के माध्यम से योगदान करने का दूसरा मौका दिया जाएगा। गृह कार्यालय ने कहा है कि वे इन वीजा को पूरा करने के बाद ही स्थायी निवास के लिए आवेदन कर पाएंगे। इसी तरह का दृष्टिकोण स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में सार्वजनिक सेवा कर्मियों पर भी लागू होगा, जो इसी अवधि के दौरान पहुंचे थे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)